



# भाजपा विधायक ने शिंदे गुट के नेताओं पर थाने में की फायरिंग

आरोपी सहित 3 लोग गिरफ्तार

शिंदे गुट के नेता महेश गायकवाड गोलीबारी को घायल हो गए हैं।

भाजपा विधायक गणपत गायकवाड को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी के साथ 3 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है।



ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक पुलिस स्टेशन के अंदर ही भाजपा विधायक और शिंदे गुट के नेताओं के बीच गोलीबारी की घटना सामने आई है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह वारदात उल्हासनगर में एक पुलिस स्टेशन में घटी है, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता को भाजपा विधायक ने गोली मारकर घायल कर दिया है। शिंदे गुट के नेता महेश गायकवाड गोलीबारी को घायल करने के आरोप में भाजपा विधायक गणपत गायकवाड को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के साथ 3 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से कुछ विवाद

चल रहा था। इस बात को लेकर दोनों पुलिस स्टेशन में शिकायत करने पहुंचे थे। तभी विवाद बढ़ने पर भाजपा विधायक गणपत गायकवाड ने महेश गायकवाड और उनके साथियों पर फायरिंग कर दी।

**शिवसेना नेता का इलाज जारी**

घायल शिवसेना नेता महेश गायकवाड को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल ने फिलहाल उनकी हेल्थ के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में यह घटना हुई थी। दोनों नेता पुलिस स्टेशन

के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल जगताप के हॉल में बातचीत कर रहे थे, तभी यह झड़प हो गई। इस मामले की जांच कर रहे डीसीपी सुधाकर पटारे ने कहा कि जांच चल अभी चल रही है।

**शिवसेना (यूबीटी) ने साधा निशाना**

इस घटना के बाद उद्धव ठाकरे के शिवसेना गुट ने निशाना साधते हुए कहा कि फायरिंग पुलिस स्टेशन में हुई है, जिसने गोली चलाई वह भाजपा विधायक गणपत गायकवाड थे और जिसे गोली लगी है वो शिवसेना शिंदे गुट के नेता महेश गायकवाड थे। ये दुखद है कि दो पार्टियों के नेता लड़कर एक-दूसरे को खत्म करने की कोशिश कर रहे

# कहानी हॉरर फिल्म जैसी, 150 लोगों को दी फांसी, फिर मगरमच्छों को खिलवा दिए शव

खरगोन। जंगल के बीच कटीली झाड़ियां, कांटों भरा रास्ता और चारों ओर सन्नाटा। जैसे-जैसे कदम आगे बढ़ते हैं, लगता है कोई साथ चल रहा है या फिर पीछा कर रहा है। करीब 1 चरू पैदल चलने के बाद आखिर में खंडहर में तब्दील हो चुकी एक पुरानी स्मारक नजर आती है। इसी जगह पर 150 से ज्यादा लोगों को एक साथ फांसी पर लटकाया गया था और बाद में उनके शवों को मगरमच्छों को खिला दिया गया था। यह दृश्य और कहानी किसी हॉरर फिल्म की स्टोरी से कम नहीं है। आज भी यहां रात के अंधेरे में लोग जाने से कतराते हैं। दरअसल, जिस जगह के बारे में हम बात कर रहे हैं, वह मध्य प्रदेश के खरगोन जिला मुख्यालय से 50 चरू दूर मंडलेश्वर के एक जंगल में मौजूद है। क्षेत्र में यह स्थान फांसी बैड़ी के नाम से जाना जाता है। सालों पहले यहां अंग्रेजों ने मौत का तांडव किया था।



लोग कहते हैं कि जैसे आज भी यहां कुछ है।

**ढीले पर है पुरानी स्मारक**

हकीकत से रूबरू होने के लिए एक मीडिया टीम इतिहासकार दुर्गेश राजदीप के साथ कसरावद रोड से अंदर करीब 1 चरू पैदल जंगल के रास्ते होते हुए फांसी बैड़ी पहुंची। ऊंचे ढीले पर कटिली झाड़ियों से घिरी पुरानी स्मारक दिखी, जिसका निर्माण कई सदियों पहले क्रांतिकारियों ने किया था।

**निमाड़ रेंज का मुख्यालय था मंडलेश्वर**

इतिहासकार दुर्गेश राजदीप ने बताते हैं कि ब्रिटिश हुकूमत में मंडलेश्वर निमाड़ रेंज का मुख्यालय था। ब्रिटिश रेजिडेंट यहां निवास करते थे। घुड़सवार और पैदल दोनों सेनाएं यहां मौजूद थीं। 1857-58 में अंग्रेजों ने मंडलेश्वर किले पर आक्रमण कर कब्जा किया। निमाड़ के क्रांतिकारी भीमा नायक के 150 से भी ज्यादा साथियों को हिरासत

में ले लिया गया और उन्हें इसी जगह लाकर फांसी पर चढ़ा दिया।

**पेड़ों पर लटका कर दी फांसी**

आगे बताया कि पहले यहां बहुतायत में नीम के विशाल पेड़ थे। सभी क्रांतिकारियों को इन्हीं नीम के पेड़ों पर सामूहिक फांसी दी गई। मौत के बाद शवों को घसीटते हुए नर्मदा नदी के किनारे मगरढाब में फेंक दिया गया, जहां मगरमच्छों ने शवों को खाकर अपनी भूख मिटाई। उस समय यहां बड़ी संख्या में मगरमच्छ देखे जाते थे।

दुर्गेश राजदीप ने कहा कि शासन-प्रशासन की अनदेखी से यह स्थान दुर्दशा का शिकार हो गया है। क्षेत्र के जीपोंद्वारा सहित पर्यटन की दृष्टि से इस क्षेत्र को विकसित करने शिवराज सरकार को प्रस्ताव भेजकर मांग कर चुके हैं। अभी वर्तमान क्षेत्रीय विधायक राजकुमार मेव से भी फांसी बैड़ी के विकास की मांग की है।

## आदिवासी नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप करने वाले आरोपी के घर पर चला बुलडोजर



ग्वालियर- मध्यप्रदेश के ग्वालियर में बहुत ही शर्मनाक घटना सामने आई है. 15 साल की नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ गैंगरेप किया है. वहीं, आरोपी बंटी गुर्जर के घर का अवैध निर्माण प्रशासन ने क्षतिग्रस्त कर दिया है. साथ ही घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों का जुलूस निकाला. बता दें कि घटना 30 जनवरी की रात हुई थी, और इसमें माता-पिता पर कड़ा अड़कर गैंगरेप किया गया था. घटना में चार आरोपी शामिल हैं. तीन पुलिस की हिरासत में हैं जबकि एक अन्य की पुलिस तलाश कर रही है. आपको बता दें कि ग्वालियर के भंवरपुरा थाना क्षेत्र में 15 साल की नाबालिग लड़की से दर्दनाक दुष्कर्म का मामला सामने आया. 15 साल की एक लड़की के साथ उसके ही माता-पिता के सामने कई लोगों ने दुष्कर्म किया. इस दौरान बदमाशों ने उसके माता-पिता को कट्टे की नोक पर बंधक बना लिया और उसके भाइयों के साथ भी मारपीट की. आरोपियों ने बारी-बारी से लड़की के साथ रेप किया.

# सीएम केजरीवाल के आवास पर फिर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम

विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में मांगे सबूत, दिल्ली सीएम ने भाजपा पर विधायक खरीदने के आरोप लगाए थे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम शुक्रवार के बाद शनिवार सुबह भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंची। इसके साथ ही मुख्यमंत्री केजरीवाल की ओर से विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस आरोप पर भाजपा ने दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसी मामले में शुक्रवार को अपराध शाखा की टीम सीएम आवास केजरीवाल को नोटिस देने पहुंची, हालांकि उनके मौजूद न रहने से मुलाकात नहीं हो सकी। केजरीवाल ने अंदर से भिजवाया ये मैसेज गौरतलब है कि शनिवार सुह 10.30 बजे क्राइम ब्रांच की टीम सिविल लाइंस स्थित सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंची। पुलिस का कहना कि केजरीवाल नोटिस नहीं ले रहे हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अंदर से मैसेज भिजवाया है



कि पुलिस उनके सुरक्षाकर्मी या आवास में मौजूद कर्मी को नोटिस दे दें। लेकिन पुलिस उन्हें नहीं देना चाह रही है। दिल्ली सरकार के सूत्र का कहना है कि सीएम दफ्तर नोटिस लेने को तैयार है। सीएम दफ्तर रिसीविंग देने को भी तैयार है। लेकिन पुलिस ही नोटिस नहीं दे रही। पुलिस मीडिया लेकर आई है। पुलिस का मकसद नोटिस देना

नहीं बल्कि बदनाम करना है।

**आज शाम आतिथी के भी घर जाएगी क्राइम ब्रांच की टीम**

वहीं यह भी जानकारी सामने आ रही है कि आज शाम को क्राइम ब्रांच आतिथी को भी इसी मामले में नोटिस देने जाएगी। हालांकि आतिथी के भी दिल्ली से बाहर होने का पुलिस को पता चला है,

लेकिन वह फिर भी उन्हें नोटिस देने जाएंगे। आतिथी इस वक्त चंडीगढ़ में हैं।

**पुलिस ने क्या बताया**

दिल्ली पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की टीम को सीएम केजरीवाल को ही नोटिस देना था। अपराध शाखा की टीम शनिवार को फिर सीएम आवास पर नोटिस देने आई। फिलहाल, इस मामले में केस दर्ज नहीं किया गया है। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि पुलिस टीम शुक्रवार को आई थी, सीएम कार्यालय का स्टाफ नोटिस लेने के लिए तैयार था, मगर पुलिस बिना नोटिस दिए लौट गई। बता दें कि केजरीवाल ने भाजपा पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को प्रलोभन देकर तोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। भाजपा इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री पर पलटवार कर रही है।

## राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल एंबुलेंस ने पुलिस अधिकारी की कार को मारी टक्कर

कोलकाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली है. राहुल के काफिले में शामिल एक एंबुलेंस ने कथित तौर पर एक वरिष्ठ जिला पुलिस अधिकारी की कार को टक्कर मार दी. ये हादसा पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के मुराई में हुआ. इसके बाद पुलिस ने एंबुलेंस के ड्राइवर और एक अन्य शख्स को हिरासत में लिया. हिरासत में लिए गए दोनों लोगों को मुराई थाने ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई. जिस वक्त एंबुलेंस ने कार को टक्कर मारी, उस वक्त उसमें जिला पुलिस अधिकारी मौजूद थे. गनीमत ये रही कि उन्हें इस हादसे में चोट नहीं आई. इस घटना के बाद राहुल गांधी का



काफिला एंबुलेंस को छोड़कर आगे बढ़ गया. वहीं, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के सोशल मीडिया हेड सोरब राय का दावा है कि इस हादसे की वजह पुलिस वाहन के ड्राइवर की लापरवाही है. उन्होंने एंबुलेंस में सवार लोगों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप भी लगाया है. इससे पहले, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बताया कि शुक्रवार (2

फरवरी) को अपने निर्धारित समय से कुछ घंटों की देरी के साथ भारत जोड़ो न्याय यात्रा मुर्शिदाबाद जिले में एक बार फिर से शुरू हुई. इस देरी की वजह राज्य में हो रहे 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम थे. उन्होंने बताया कि यात्रा की शुरुआत सुबह 8 बजे होनी थी, लेकिन ये मुर्शिदाबाद के नवाग्राम में सुबह 10.30 बजे शुरू हुई, ताकि बच्चे बिना ट्रैफिक स्कूल पहुंच पाएं.

वहीं, 31 जनवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब बिहार के रास्ते बंगाल में पहुंची, तो उस वक्त राहुल गांधी की कार का शीशा टूट गया था. अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि शीशा टूटने की वजह पथराव है, लेकिन बाद में पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि कार के अचानक रुकने की वजह से राहुल का स्वागत करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी, जिसकी वजह से कार का शीशा टूट गया. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि यह घटना बिहार में हुई है. भारत जोड़ो न्याय यात्रा 25 जनवरी को असम से पश्चिम बंगाल में प्रवेश की और 29 जनवरी को बिहार गई. यह 31 जनवरी को मालदा के रास्ते पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश कर गई।

## लालकृष्ण आडवाणी को मिलेगा भारत रत्न, प्रधानमंत्री मोदी ने किया बड़ा ऐलान



नई दिल्ली। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि, लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में लिखा कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी है कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर आडवाणी जी को बधाई दी है। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, आडवाणी जी का भारत के विकास में अविस्मरणीय योगदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी जी ने जीवन जमीनी स्तर पर काम करते हुए अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी और उप प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा कि वे हमेशा अनुरकणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।

## मणिशंकर अय्यर ने कहा, सरकार की पाकिस्तान से बातचीत करने की हिम्मत नहीं है !

जयपुर । अपने बयानों की वजह से अक्सर विवादों में रहने वाले कांग्रेस के सीनियर नेता मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है. कांग्रेस के दिग्गज नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान संग बातचीत की वकालत की है और सरकार से कहा है कि अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक कर सकते हैं तो फिर टेबल पर बातचीत क्यों नहीं कर सकते हैं. मणिशंकर



अय्यर ने आगे कहा कि सरकार की पाकिस्तान से बात करने की हिम्मत

नहीं.दरअसल, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने केंद्र सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि सरकार की पाकिस्तान से बातचीत करने की हिम्मत नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों की नीति समझ नहीं आ रही है. हम सर्जिकल स्ट्राइक तो कर सकते हैं, मगर टेबल पर बातचीत नहीं कर सकते हैं.

## सावधान जाहिर सूचना

**ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महु जिला इन्दौर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महु जिला इन्दौर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रों के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अतः कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अतः इन सभी विक्रय पत्रों के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतु प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।



## सिंगल कॉलम

### इंदौर शहर में नए ई-रिक्शा के पंजीयन पर लगेगी रोक

शहर में यातायात सुधारने की दिशा में अब ई–रिक्शा पर नियंत्रण को लेकर कवायद तेज हो गई है। ई–रिक्शा के रूट निर्धारण की प्रक्रिया आगामी 10 से 15 दिन में पूरी कर ली जाएगी। इस बीच नए ई–रिक्शा के पंजीयन पर रोक लगाने का निर्णय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया है। शहर में नए ई–रिक्शा के पंजीयन को प्रतिबंधित करने के संबंध में अगले एक माह में राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।अभी शहर में छह हजार से अधिक ई–रिक्शा संचालित हो रहे हैं। शुक्रवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इंदौर जिले में यातायात सुधार को देखते हुए सभी ब्लैक स्पॉट पर आवश्यक सुधार कर उन्हें समाप्त किए जाने पर भी चर्चा हुई। एमजी रोड तथा जवाहर मार्ग को वन–वे करने के आधिकारिक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में डीसीपी टैफ़िक मनीष अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में ई–आटो रिक्शा के रूट निर्धारण के संबंध में ई–आटो रिक्शा चालक संघ और आटो रिक्शा चालक संघ के सदस्य भी शामिल हुए। शहर के मध्य मार्केट के दुकान मालिकों एवं कर्मचारियों के वाहनों की पार्किंग के संबंध में भी चर्चा की गई। ऐसे वाहनों को नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग स्थल पर पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में मार्केट एसीरिग्रेशन के पदाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। निर्देश दिए गए की देवगुराडिया रोड पर रेत के ढंपर अवैध रूप से पार्किंग नहीं हो। उन्हें एक चिन्हित स्थान उपलब्ध कराया जाए।

### इंदौर में मिलावट की आशंका में 26750 किलो सौफ़ जब्त

प्रशासन ने शुक्रवार को सौफ़ की चार फर्माों का औचक निरीक्षण किया। मिलावट की शंका होने पर सभी फर्माों से 26750 किलो सौफ़ जब्त की गई। इसकी कीमत लगभग 34 लाख 20 हजार रुपए है।कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और राजस्व विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की। संयुक्त दल ने सबसे पहले फर्म जैन टैडर्स जीएनटी मार्केट का औचक निरीक्षण किया। यहां सौफ़ का प्रसंस्करण (ग्रेडिंग) होना पाया गया। सौफ़ के दो नमूने लिए गए और करीब 900 किलो सौफ़ जब्त की गई। इसी तरह हिम्मत नगर पालदा में फर्म यू एंड मी का निरीक्षण कर सौफ़ के दो नमूने लिए और सौफ़ में कलर मिला होने की आशंका पर कुल 13 हजार 150 किलो सौफ़ जब्त की। फर्म श्री पाल रत्नलाल, लाबरिया भेरू में नौ हजार किलो सौफ़ जब्त की गई। जीएनटी मार्केट स्थित फलोदी इंडस्ट्रीज का निरीक्षण कर सौफ़ के तीन नमूने लिए और गुणवत्ताहीन होने की शंका में 3700 किलो सौफ़ जब्त की। चारों कार्रवाई में कुल 26750 किलो सौफ़ जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 34 लाख 20 हजार रुपए है।

### इंदौर में रात का तापमान बढ़ा, पारा 14.4 डिग्री पर पहुंचा

उत्तर भारत में हुई बर्फबारी से प्रदेश के कुछ शहरों में ठंड बढ़ गई है, लेकिन इसका इंदौर और आसपास के इलाकों में असर बिलकुल नहीं दिखा रहा है। पश्चिम दिक्षोभि और लगातार हवाओं का रूख बदलने से ठंड कम महसूस हो रही है। अब दिन के साथ ही रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। शनिवार को उत्तरी दिशा से हवा चली। सुबह कोहरा और धुंध भी छंड गए है। शनिवार सुबह दृश्यता तीन हजार मीटर रही। सुबह से धूप निकली। अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन से चार दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा। आज का तापमान शुक्रवार को उत्तर दिशा से हवा चली। तापमान बढ़ने से ठंड का असर कम हो गया। सुबह धूप निकली रही, लेकिन दोपहर 1 बजे बाद बादल छाए रहे। अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा 8 किमी प्रतिघंटे की रफ़्तार से चली। विशेषज्ञ के मुताबिक अगले तीन से चार दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

### मंजिल ही नहीं, यहां का रास्ता भी है खूबसूरत

सप्ताहभर की थकान, रोजमर्रा के कार्य और वही उबाऊ जिंदगी से जब मन भर जाता है तो व्यक्ति पिंजरे में बंद पंछी की भांति खुले आकाश में उड़ान भरने की भरसक कोशिश करता है। इस कोशिश में सबसे पहले नाम आता है उस स्थान का जहां प्रकृति का अनुपम सौंदर्य समाय़ा हो और असीम शांति की धरती को ढंके सुकून भरा आसमां हो। ईट–कांक्रिट के जाल वाले इस शहर में बेशक माल, मेलों की कमी नहीं लेकिन अब लोगों का दिल इन सबसे भरता जा रहा है। अब व्यक्ति ऐसे स्थान पर जाना चाहता है जहां वह प्रकृति के अनुपम रूप को अपनी आंखों में, वहां से जुड़ी बातों को अपनी यादों में और उस स्थान पर मिली शांति को अपने जीवन में संजो सके। ऐसा ही एक स्थान है माही डेम।इंदौर से करीब 45 किमी दूर स्थित माही डेम एक ऐसा स्थान है जहां जाने के लिए वर्षा ऋतु तो सर्वोत्तम है ही लेकिन इस मौसम में भी यहां की खूबसूरती मन को आनंद देती है। वर्षा ऋतु में यहां का जलप्रपात बेहद आकर्षित करता है तो इस मौसम में यहां के बांध का पानी ठंडक का अहसास कराता है। दिलचस्प बात तो यह है कि जब आप इस पर्यटन स्थलों की सैर के लिए जाते हैं तो कई दार्शनिक स्थलों को देखने का आनंद स्वतः ही मिल जाता है क्योंकि रास्ते में ऐसे कई पर्यटन स्थल हैं जहां प्रकृति मेहरबान है। कैसे पहुंचे माही डेम इस खूबसूरत स्थान तक पहुंचने के लिए आपको रालामंडल होते हुए तिलौर, तिछाफाल, मोहाडी इतने में ही कई पर्यटन स्थलों के नाम आ गए। खैर गाड़ी आगे बढ़ाते हैं और मोहाडी गांव पार करते हुए आप नाचनमौर घाट उतरें। यह रास्ता भी कम खूबसूरत नहीं है।नाचनमौर घाट उतरकर आप झाड़ उखाड़ हनुमान मंदिर पहुंच जाएंगे। आप चाहें तो वहां रुककर दर्शन करें नहीं तो आगे भी बढ़ सकते हैं।

## इंदौर महानगर

## इंदौर के शिक्षकों ने खरीदे 3.5 करोड़ रुपये के टैबलेट, विद्यार्थियों ने आज तक नहीं देखे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों में शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पिछले साल टैबलेट योजना जारी की गई थी। इसमें प्राथमिक, हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों के शिक्षकों को टैबलेट क्रय कर विद्यार्थियों को पढ़ाना था। जिले में 3610 शिक्षकों ने टैबलेट खरीद भी लिए। इसके एवज में विभाग द्वारा अब तक 3454 शिक्षकों को 10 हजार रुपये प्रति टैबलेट के लिहाज से 3 करोड़ 44 लाख रुपये से अधिक की राशि भी जारी कर दी गई जिस उद्देश्य से टैबलेट योजना शुरू की गई थी, वह पूरी ही नहीं हुई। दरअसल, अधिकांश शिक्षकों ने टैबलेट तो खरीद लिए, लेकिन स्कूल में लाने के जगह, अपने व्यक्तिगत काम में उपयोग कर रहे हैं। कुछ स्कूल तो ऐसे भी जहां विद्यार्थियों ने एक बार भी टैबलेट न देखा और न ही उससे पढ़ाई की। इधर, जिले के अफसरों ने भी करोड़ों रुपये की राशि जारी करने के बाद एक बार भी जमीनी स्तर पर निरीक्षण करना जरूरी नहीं समझा। पिछले साल जनवरी में शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक, हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में शिक्षण कार्य में टैबलेट का उपयोग बढ़ाने के लिए टैबलेट योजना लागू की थी। इसमें पहले शिक्षकों को खुद टैबलेट खरीदना था। इसके बाद बीआरसी कार्यालय में आवेदन के साथ बिल प्रस्तुत करना था। दिसंबर 2023 से विभाग ने शिक्षकों के टेबलेट की राशि के रूप में 10 हजार रुपये जारी करना शुरू कर दिए।



जिले में प्राथमिक स्तर के 2596 शिक्षक और हाई–हायर सेकंडरी स्तर के 1094 शिक्षकों ने टैबलेट खरीदकर भुगतान के लिए आवेदन किया। इसमें 23 जनवरी तक प्राथमिक स्तर के 2432 शिक्षक और हाई–हायर सेकंडरी स्तर के 1022 शिक्षकों को 10–10 हजार रुपये के मान से लगभग 3 करोड़ 44 लाख 75 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अभी भी 150 से अधिक शिक्षकों को भुगतान होना बाकी है। आज तक नहीं देखा टैबलेट माध्यमिक विद्यालय क्रमांक–108 में तीन शिक्षकों ने टेबलेट लिए हैं, लेकिन यहां के विद्यार्थियों ने एक बार भी टैबलेट नहीं देखा है। यहां पांचवीं के विद्यार्थियों ने बताया कि आज तक एक बार भी टैबलेट से पढ़ाई नहीं

हुई। इसी तरह शासकीय उमावि हुकुमचंद कालोनी में कक्षा ले रही शिक्षिका पुराने तरीके से क्लास ले रही थी। जब उनसे टैबलेट के बारे में पूछा तो बताया कि टैबलेट की राशि मिल चुकी है। कक्षा में टैबलेट से पढ़ाते भी हैं, लेकिन आज नहीं लेकर आए हैं। अफसरों ने नहीं किया निरीक्षण शिक्षकों को कई महीनों पहले ही टेबलेट खरीद लिया है, लेकिन अफसरों ने आज तक स्कूलों का निरीक्षण कर पता नहीं किया,कि शिक्षक स्कूलों में शिक्षण कार्य के लिए टैबलेट का उपयोग कर रहे हैं या नहीं। यही कारण है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षण कार्य की जगह अपने व्यक्तिगत कार्य में टैबलेट का उपयोग कर रहे हैं।

## इंदौर में आइटी कंपनियों के बगल में बनी जानलेवा ‘टेढ़ी-मेढ़ी’ सड़क

सिटी चीफ इंदौर।

सुपर कारिडोर को शहर का सबसे योजनाबद्ध और बेहतर विकसित क्षेत्र कारा देकर इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) अपनी पीठ थपथपा रहा है। इसी क्षेत्र में आइडीए की जानलेवा गड़बड़ी उजागर हुई है। सप्ताहभर पहले सड़क दुर्घटना में टीसीएस कंपनी की साफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के बाद इस पर सवाल उठने लगे हैं।इससे पहले इसी रोड पर उसके पिता की मौत भी हुई थी। इंफोसिस–टीएससी के बगल में बनी एप्रोच रोड पर आइडीए ने जिग–जैग (टेढ़ी–मेढ़ी) कर दी है। एक–दो नई बल्तिक जानबूझकर ऐसे कई मोड़ बना दिए गए हैं। इनके कारण लगातार दुर्घटनाओं का डर सताने लगा है। वर्क फ्राम होम का दौर समाप्त होने के बाद आइटी कंपनियों में कर्मचारियों का आना बढ़ा है। इसी बीच क्षेत्र में नई कालोनियां भी बसने लगी हैं। अब तक खाली रही इन सड़कों पर आने वाले समय में यातायात बढ़ेगा। डर है कि अंधे और जिग–जैग आकार की सड़क राहगीरों के लिए जानलेवा साबित होगी। ताजा दुर्घटना के बाद टीसीएस के पीछे बनी सड़क पर जिम्मेदारों ने ड्रम से बेरिकैडिंग कर दुर्घटना रोकने की कवायद की है। इस बीच इन्फोसिस कंपनी के बगल से गुजरने वाली सड़क की डिजाइन में भी लापरवाही उजागर हो गई है। सुपर कारिडोर के इस रोड पर दाखिल होने के 500 मीटर बाद से ही सड़क पर शार्प टर्न (तीखे मोड़) दे दिए हैं। आगे चलने पर ऐसे तीन–चार मोड़ नजर आते हैं। छोटा बांगड़ा की ओर से सुपर कारिडोर की ओर आने वाले जब इस सड़क से आते हैं तो उन्हें तीखे मोड़ के चलते सामने खुली सड़क के बजाय कंपनी की बाटंडीवाल नजर आती है। दिन के समय खतरनाक दिख रही इन सड़कों पर रात का यातायात बढ़ा तो खतरा बढ़ जाएगा। बाद में बदली डिजाइन आइडीए के सूत्रों के अनुसार सुपर कारिडोर की योजना में सड़क सीधी



और सामान्य वृत्तीय मोड़ वाली थी। उसी डिजाइन के हिसाब से मंजूरी ली गई थी। निर्माण से पहले समय इसकी डिजाइन मौके पर बदल दी गई। मनमानी करते हुए एक जगह से सड़क मोड़ी तो उससे तीखा मोड़ बना। आगे फिर डिजाइन पर वापस आने के लिए रोड सीधी की तो एक से ज्यादा तीखे मोड़ बन गए। एक ओर से आने पर वाहन चालकों को अपनी सीध में एक रेस्त्रां दिखाई देता है। दूसरे सिरे से नतीजा ये हुआ कि इन्फोसिस कंपनी के पीछे वाले हिस्से में सड़क की सेंट्रल लाइन की सिमेट्री ही गड़बड़ा गई है। कंपनी के पीछे के चौराहे के पास रोड के डिवाइडर ही एक सीध में नहीं हैं। इस रोड पर कुछ कालोनियों में बसाहट हो चुकी है। कालोनी वाली बताते हैं कि जो इस रास्ते से परिचित नहीं हैं। वे अक्सर डिवाइडर से टकराते–टकराते बचते हैं। मानक निर्माण में नहीं होते देवी अहिल्या विवि के इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी के सिविल विभाग के हेड प्रो. प्रतोष बंसल के अनुसार सामान्य नगर विकास और मैदानी क्षेत्रों में जहां जमीन उपलब्ध हो वहां रोड डिजाइन में सड़कों में तीखे मोड़ नहीं डाले जाते। वृत्तीय मोड़ के भी नियम हैं साथ ही डिजाइन में इन मोड़ों पर सड़क बनाते समय अतिरिक्त सुरक्षा के लिए ढलान भी डाला जाता है। छोटी दूरी पर एक से ज्यादा तीखे मोड़ मानक निर्माण में नहीं होने चाहिए।

## कमी अच्छे दोस्त थे, अब शिकार और शिकारी-सा रिश्ता

सिटी चीफ इंदौर।

एक समय था जब श्वानों को मनुष्यों का सबसे अच्छे दोस्त माना जाता था। मोहल्ले–कालोनियों में रहने वाले लोग इसलिए भी निश्चित होते थे कि वहां घूमने वाले श्वान उनके घरों की रखवाली करते ही हैं। बीते कुछ सालों में शहरों में ये स्थितियां बदली हैं। इंसानों का वफादार समझा जाने वाला और उन्हीं के बीच रहने वाला यह प्राणी अब हमलावर हो जाता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक पर हमला करता है।अकेले इंदौर में ही एक साल में श्वानों के हमलों से घायल होकर 70 हजार से अधिक लोग इलाज करवाने अस्पतालों में पहुंचे हैं। बावजूद नगर निगम के अधिकारी स्थिति में मामूली राहत भी नहीं दे पा रहे हैं। पुराने इंदौर की कई कालोनियों में आवारा श्वानों का इतना आतंक है कि लोग शाम होते ही बच्चों के घरों से बाहर निकलने पर रोक लगा देते हैं। ऐसा नहीं है कि निगम के जिम्मेदारों को समस्या की गंभीरता का भान नहीं है, लेकिन भूखे श्वानों को खाना देकर समस्या दूर करने की दिशा में गंभीर पहल तक नहीं होती है। घरों का बचा खाना डस्टबिन में, भूखे श्वान कर रहे हमला श्वानों के व्यवहार में परिवर्तन की बड़ी वजह इनका भूखा रहना भी। स्वच्छ



अभियान के तहत कचरा पेटियां हटाने के बाद लोगों ने घरों का बचा खाना और जूटन भी निगम के कचरा वाहनों को देना शुरू कर दिया। पहले यह श्वानों का भोजन बन जाता था। इससे गलियों में घूमने वाले श्वान भूखे रहते हैं और इससे उनका व्यवहार भी हिंसक हो जाता है। निगम को चिंता नहीं, लोग हो रहे परेशान पहले श्वानों को लोग अपने

घरों से खाना देते थे। अब ऐसा नहीं होता है। हमने 50 स्थान पर डाग फीडर की व्यवस्था करने के लिए निगम से मांग की है, ताकि श्वानों को समय पर खाना मिल सके। इनके खाने की व्यवस्था हो जाएगी तो निश्चित ही हमले की घटनाओं में कमी आएगी। – प्रियांशु जैन, पशु प्रेमी श्वानों की संख्या काफी बढ़ गई है। श्वानों के इलाज और

नसबंदी के लिए सामाजिक संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए। यदि अस्पताल तक इन्हें लाने की व्यवस्था हो जाए तो हम इलाज और नसबंदी करेंगे। आज भी हम देखते हैं कि जिस कालोनी में श्वानों के खानपान की व्यवस्था रहती है, वहां वे आक्रमक नहीं होते हैं। – डा. बीपी शुक्ला, डीन, वेटरनरी कालेज महु पेटा कानून आने के बाद से श्वानों की

नसबंदी के लिए सामाजिक संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए। यदि अस्पताल तक इन्हें लाने की व्यवस्था हो जाए तो हम इलाज और नसबंदी करेंगे। आज भी हम देखते हैं कि जिस कालोनी में श्वानों के खानपान की व्यवस्था रहती है, वहां वे आक्रमक नहीं होते हैं। – डा. बीपी शुक्ला, डीन, वेटरनरी कालेज महु पेटा कानून आने के बाद से श्वानों की

आबादी बढ़ने लगी है। पहले नगर निगम इन्हें मार देता था या शहर से बाहर छोड़ देता था। अब ऐसा नहीं होता है। स्वच्छता के कारण श्वानों को खाना भी नहीं मिल पाता है। शहर की कई कालोनियां हैं, जो अब इनके खिलाफ हो गई हैं। वहीं श्वान सबसे अधिक उन लोगों पर हमला करते हैं, जो उन्हें देखकर डर जाते हैं। सबसे ज्यादा बच्चे इन्हें देखकर डरते हैं, इसलिए ये उन पर ज्यादा हमला करते हैं। कई लोग इन्हें देखकर भागने भी लगते हैं। यदि श्वान हम पर हमला करने का प्रयास कर रहे हैं तो हमें डरना नहीं चाहिए। उन्हें यह लगना चाहिए कि हम डर नहीं रहे हैं। ऐसे में वे पीछे हट जाते हैं। – अजय जैन (पूर्व बीएसएफ अधिकारी, श्वान ट्रेनर), पेट लवर एसोसिएशन अध्यक्ष

नगर निगम की श्वानों के लिए फीडर सेंटर खोलने की कोई योजना नहीं है। जो लोग अपनी तरफ से श्वानों को खाना खिलाना चाहते हैं, हम उन्हें फीडर कार्ड जारी करते हैं। इससे उन्हें काम करने में दिकत नहीं आती। फीडर सेंटर खोलने की स्थिति में श्वानों के लिए अनाज खरीदने से लेकर खाना तैयार करने, बंटवाने के लिए वाहन, कर्मचारी आदि की व्यवस्था करनी पड़ेगी जो वर्तमान में संभव ही नहीं है।

### इंदौर-अयोध्या बस के लिए बस आपरेटरों को मनाने में लगा एआइसीटीएसएल



सिटी चीफ इंदौर।

रामलला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग अयोध्या जा रहे हैं। इंदौर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या जाने को तैयार हैं, लेकिन सीधी बस सुविधा नहीं है। गत वर्ष दिसंबर में एआइसीटीएसएल द्वारा अयोध्या, काशी सहित अन्य रूट पर बस चलाने के लिए टेंडर जारी किया गया था, लेकिन पीपीपी मोड होने से बस आपरेटरों ने इस टेंडर में रुचि नहीं ली। इसके बाद टेंडर को अपडेट कर अब 12 फरवरी को खोला जाएगा। हालांकि अब एआइसीटीएसएल ने दो बड़े बस आपरेटरों से पहले ही बातचीत शुरू कर दी है।एआइसीटीएसएल ने अयोध्या, काशी, अहमदाबाद, पुणे, मुंबई, नई दिल्ली सहित अन्य रूट के लिए दिसंबर में टेंडर जारी किए थे। यह टेंडर पीपीपी मोड में था। इसमें सभी तरह के व्यय आपरेटरों द्वारा वहन किए

जाने थे। वहीं एआइसीटीएसएल को तय राशि आय के रूप में मिलती। इसी कारण इस टेंडर के लिए आपरेटरों ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद एआइसीटीएसएल ने इस टेंडर को आगे बढ़ा दिया। अब 12 फरवरी को टेंडर खोले जाएंगे। इस बार एआइसीटीएसएल के अफसर पहले ही आपरेटरों से मिलकर उन्हें बिड में शामिल होने के लिए तैयार कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार टेंडर में कुछ नए रूट भी शामिल किए जा रहे हैं। हर दिन दो बसों का होगा संचालन एआइसीटीएसएल की पीआरओ माला ठाकुर ने बताया कि अयोध्या सहित अन्य रूट पर प्रतिदिन दो बसों का संचालन किया जाएगा। आपरेटरों तय होते ही बसों के संचालन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सभी बसें मल्टी एक्सल श्रेणी की रहेंगी

## शशशश... तेंदुआ अभी गया नहीं है, वह यहीं कहीं है

सिटी चीफ इंदौर।

शशशश... सावधान, तेंदुआ अभी इंदौर से बाहर गया नहीं है। वह यहीं कहीं है। वन विभाग के कर्मचारियों को वह बीते तीन सप्ताह से छका रहा है। प्रकृति के इस शानदार जीव और चालाक शिकारी को खोजने के लिए फिलहाल वन विभाग उसके पंजों के निशान तलाश रहा है। इससे तेंदुए के मूवमेंट और लोकेशन का पता चल सकेगा। इस काम में पंद्रह से ज्यादा वनकर्मी अलग–अलग क्षेत्रों में लगे हैं।डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने इन वनकर्मियों को दो टीमों में बांट दिया है। ये टीमें सुबह और शाम को तीन–चार घंटे सुपर कारिडोर से लेकर नैनोद व गोम्मटगिरि क्षेत्र में पगमार्क ढूँढ रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि तेंदुए की आशंका में वनकर्मियों को लकड़बग्घे से लेकर सियार और बिल्ली तक के पैंरों के निशान मिल गए हैं, बस तेंदुए के ही पगमार्क नहीं मिल रहे। हालांकि रहवासी क्षेत्र में वनकर्मियों ने मुनादी करवा दी है। 16 जनवरी से फैली है दहशत दरअसल, 16 जनवरी को सुपर कारिडोर स्थित इन्फोसिस परिसर में बीएसएफ जवानों ने तेंदुआ देखा था। पूरे परिसर में एक ही जगह पंजों के निशान मिले थे, मगर वे भी स्पष्ट नहीं थे। इसके अगले ही दिन टिगरिया बादशाह में एक किसान के यहां तेंदुआ ने बकरी पर हमला किया था। इससे आसपास के रहवासी इलाकों में दहशत फैल गई थी। इस क्षेत्र में सर्चिंग में छोटे पंजों के निशान पाए गए थे। उस दौरान लोगों ने शावक होने की बात कही। तीन–चार वीडियो आए सामने 22–23 दिन गुजरने के बावजूद वन विभाग के पास तेंदुए से जुड़ा कोई ठोस प्रमाण नहीं है। वनकर्मी खाली हाथ हैं और तेंदुआ की उपस्थिति मानकर तलाश में जुटे हैं। इस बीच तेंदुआ की उपस्थिति के तीन से चार वीडियो सामने आ चुके हैं। हालांकि एक में भी स्पष्ट रूप से तेंदुआ नहीं दिख रहा है। तेंदुए की आशंका में वनकर्मियों ने दो दर्जन से ज्यादा इलाकों में सर्चिंग कर ली है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी



बार–बार रणनीति बदलनी पड़ी है। पहले तेंदुए की तलाश में सुबह–शाम के अलावा रात में भी टीम की गश्त करवाई गई। यहां तक कि इन्फोसिस, टिगरिया बादशाह, समर्थ कालोनी, गोम्मटगिरि सहित अन्य क्षेत्रों में पिंजरे लगाए जा चुके हैं। ट्रैप कैमरे और नाइट विजन कैमरे भी रखे गए, मगर कहीं भी तेंदुआ तस्वीर में कैद नहीं हुआ। ड्रोन और थर्मल कैमरे भी नाकाम तेंदुआ को ढूँढने के लिए ड्रोन और थर्मल सेंसर ड्रोन की मदद भी ली गई है, किंतु ये भी नाकाम साबित हुए हैं। वनकर्मियों को तेंदुए का पता लगाने के लिए बार–बार रणनीति बदलनी पड़ रही है। अब उसके पीछे जाने के बजाय वनकर्मी पगमार्क खोजते दिख रहे हैं। दो दिन में एक दर्जन से ज्यादा कालोनियों में सर्चिंग हो चुकी है। डीएफओ सोलंकी ने बताया कि पगमार्क ढूँढने से तेंदुए की लोकेशन और उसके मूवमेंट वाले क्षेत्र का पता लग सकेगा। कुछ पंजों के निशान मिले हैं, मगर वे काफी छोटे हैं, जो अन्य वन्यप्राणियों के पैंरों से मिलते हैं। अब तक तेंदुए को लेकर कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। तीन सप्ताह में आठ से ज्यादा स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। अभी तीन जगह से पिंजरों को नहीं हटाया है। ट्रैप कैमरे भी लगाए हैं।



# लोकसभा चुनाव पर मंथन करने आज बैठेंगे भाजपा के दिग्गज

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी होंगे शामिल

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की पहली बड़ी बैठक आज (शनिवार को) होने जा रही है। इसमें प्रदेश की सभी 29 सीटें जीतने की रणनीति, मत प्रतिशत बढ़ाने, प्रत्याशी चयन और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के छोटे नेताओं को पार्टी में शामिल कर आगे लाने सहित कई विषयों पर चर्चा होगी। अलग-अलग समय में होने वाली तीन बैठकों में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी उपस्थित रहेंगे।सुबह नौ बजे से होने वाली पहली बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के रहने की भी पूरी उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले लोकसभा चुनाव को लेकर सभी जिलाध्यक्षों और प्रभारियों की बैठक प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री डा.



मोहन यादव भी मौजूद थे। चुनाव की रणनीति बनाने को लेकर यह पहली बड़ी बैठक है। सबसे पहले होने वाली बैठक में चुनाव का पूरा रोडमैप तैयार होगा। प्रत्याशी चयन, प्रचार आदि को लेकर चर्चा के बाद समय सीमा भी निर्धारित की जाएगी। बीएल संतोष और

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल भी शामिल होंगे। अभियानों को लेकर होगी चर्चा दूसरी बैठक सुबह 10 से 12 बजे के बीच होगी, जिसमें लोकसभा चुनाव प्रभारी, सह प्रभारी और संगठन के पदाधिकारी शामिल होंगे। यहां पार्टी द्वारा जनता के बीच पहुंचने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की समीक्षा और नए अभियानों की दिशा तय की जाएगी। इसमें गांव चलो अभियान, लाभार्थी संपर्क अभियान, विकसित भारत संकल्प यात्रा शामिल है। अगली बैठक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उभरते नेतृत्व को पार्टी का बैनर देना है, ताकि छोटे स्तर पर भी नया नेतृत्व तैयार हो सके। इसमें सबसे अधिक जोर पंचायत प्रतिनिधियों को पार्टी से जोड़कर उन्हें आगे लाने का है।

# खरीफ फसलों का समर्थन मूल्य निर्धारित करने आयोग ने मांगी अनुशंसाएं

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण के लिए कृषि लागत एवं मूल्य आयोग ने सभी राज्यों से अनुशंसाएं मांगी हैं। भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को पश्चिमी राज्यों की बैठक हुई। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, केंद्र शासित प्रदेश दादर नगर हवेली, दमन एवं दीव के सदस्य शामिल हुए। बैठक में कृषि लागत और मूल्य आयोग के अध्यक्ष विजयपाल शर्मा ने किसान, सरकार, व्यापारी और अन्य प्रतिभागियों से आपसी व्यापक चर्चा कर आयोग को अनुशंसाएं देने के लिए कहा। ये अनुशंसाएं खरीफ फसलों, दलहन-तिलहन के आयात-निर्यात, उपभोक्ताओं की मांग, उपार्जन, उत्पादन की लागत, अनुसंधान एवं समर्थन मूल्य के आकलन के आधार पर करने की बात कही गई।वहीं, आयोग के सदस्य सचिव अनुपम मित्रा और सदस्य रतनलाल डागा ने लागत मूल्यों को कम करने के लिए उपार्जन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, सिंचाई की उचित व्यवस्था के साथ ही विपणन के समुचित प्रबंधों की आवश्यकता जताई। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग महाराष्ट्र के अध्यक्ष पाशा पटेल ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग, वर्षा की स्थिति अनुसार फसलों का निर्धारण किया जाना चाहिए। बैठक



के तकनीकी सत्र का शुभारंभ मध्य प्रदेश के अपर मुख्य सचिव कृषि अशोक बर्णवाल ने करते हुए प्रदेश में सिंचाई, सिंचाई पंप, कृषि यंत्रीकरण, ट्रैक्टर, विभिन्न फसलों के उत्पादन में देश में विशिष्ट स्थान संबंधी वस्तुस्थिति से आयोग को अवगत कराया। साथ ही उपार्जन में विभिन्न कृषि उपजों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित सीमा को बढ़ाने का अनुरोध किया। बैठक में कृषक समितियों को सुदृढ़ बनाने, कस्टम हायरिंग सेंटर को लोकप्रिय बनाने,

राजस्थान-महाराष्ट्र में श्रीअन्न के क्षेत्र को विस्तृत करने, दाल के क्षेत्र में आत्म-निर्भर बनने के लिए उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। मग्न में तुअर उत्पादन बढ़ाने के लिए चलेगा अभियान कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश में तुअर के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

# संस्कृति बचाओ मंच ने जामा मस्जिद में शिव मंदिर होने का फिर किया दावा

ज्ञानवापी केस के वकील से की मुलाकात

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
भोपाल। संस्कृति बचाओ मंच नामक संगठन ने पुराने शहर के चौक बाजार स्थित जामा मस्जिद में शिव मंदिर होने का फिर दावा किया है। इसके लिए मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने हाल ही में ज्ञानवापी केस के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के भोपाल प्रवास के दौरान उनसे मुलाकात भी की। संस्कृति बचाओ मंच ने निवेदन किया एवं उन्हें भोपाल की जामा मस्जिद के नीचे शिव मंदिर होने के सारे प्रमाण प्रस्तुत किए हैं, जिनकी हार्ड कापी उनको शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। वह भोपाल की जामा मस्जिद में शिव मंदिर होने के दावे को शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे।सीएम मोहन यादव से की अपील संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से इस कार्य में सहयोग करने की अपील भी की है और भोपाल के समस्त पुरातत्वविदों से निवेदन किया है कि इसके जो भी साक्ष्य उनके पास उपलब्ध हों, वह संस्कृति बचाओ मंच को प्रदान करें, ताकि मस्जिद में शिव मंदिर होने का दावा ठोस आधार के साथ प्रस्तुत कर सकें। पहले भी



किया था दावा गौरतलब है कि संस्कृति बचाओ मंच ने जुलाई 2022 में भी जामा मंदिर में शिव मंदिर होने का दावा पेश किया था और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए मस्जिद का पुरातत्व सर्वे करवाने की गुहार लगाई थी।

इस मामले में उन्होंने तत्कालीन गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन भी सौंपा था। इसके जवाब में शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी सहित अन्य धर्मगुरुओं ने इस दावे को असत्य करार देते हुए कहा था कि हमारे पास मस्जिद संबंधी सभी कागजात मौजूद हैं।

## एमपी में पीडब्ल्यूडी का नवाचार, मोबाइल से गड़ों की जियोटेग्ड फोटो भेजो, शिकायत होगी दूर

लोक निर्माण विभाग सड़कों के गड़ों की समय से पहचान करने एवं त्वरित सुधार के लिए पाटहोल रिपोर्टिंग सिटीजन मोबाइल एप तैयार करेगा। इस एप के माध्यम से आम नागरिक अपने मोबाइल से गड़ों की जियोटेगिंग की हुई फोटो भेज सकेंगे। गड़ों का फोटो जीपीएस लोकेशन सहित संबंधित कार्यपालन यंत्री को प्राप्त होगा। संबंधित यंत्री नियत समय सीमा में सड़क पर सुधार करवाकर सुधार कार्य का फोटो पुनः मोबाइल एप पर अपलोड करेंगे, जिसकी सूचना संबंधित नागरिक को भी मिलेगी राज्य स्तर से शिकायतों की निगरानी एवं निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने इस नवाचार को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। वे मंत्रालय वल्लभ भवन में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ले रहे थे। बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव डीपी आहूजा, सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर प्रदेश को अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है। कार्यों के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए व कार्यों की गुणवत्ता के लिए मानिटरिंग की विशेष व्यवस्था के साथ क्वालिटी आडिट किया जाए।



## जायदाद पर कब्जे के लिए माता-पिता को बंधक बनाने वाली बेटी गिरफ्तार

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
भोपाल। राजधानी के हबीबगंज क्षेत्र में प्राप्त पर कब्जा करने के इरादे से अपने माता-पिता और भाई को बंधक बनाकर मारपीट करने के आरोप में फरार चल रही महिला को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस करीब सात महीने से महिला की तलाश में जुटी थी।जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष जून में अरेरा कालोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर सीएस सक्सेना, उनकी पत्नी कनक



सक्सेना और बेटे विकी सक्सेना को उनकी ही बेटी निधि सक्सेना द्वारा बंधक बनाए जाने का

सामला सामने आया था। वह उनके साथ मारपीट भी करती थी। निधि ने एक करोड़ रुपए

की जायदाद के लिए कई महीने तक तीनों को कमरे में बंधक बनाकर रखा। पिता के दोस्त की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई कर वृद्ध माता-पिता और मानसिक रूप से कमजोर बेटे को छुड़ाया था। इस घटना के बाद से आरोपित निधि, उसका बेटा व अल्लाफ नामक एक दोस्त फरार चल रहे थे। तीसरी बार में लखनऊ से पकड़ाई पुलिस ने बताया कि भोपाल से फरार होने के बाद निधि सक्सेना सीधे लखनऊ पहुंची, जहां उसके दोस्त ने उसे किराए का

घर उपलब्ध कराया। निधि ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया था। उसके मोबाइल की लोकेशन चेन्नई मिलने पर पुलिस टीम चेन्नई पहुंची, लेकिन वहां निधि नहीं मिली। दूसरी बार मोबाइल की लोकेशन लखनऊ मिली, लेकिन इस बार भी पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। तीसरी बार उसका नंबर ठाकुरगंज लखनऊ में चालू हुआ था। इस बार पुलिस की टीम ने लखनऊ पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला का बेटा और दोस्त अभी फरार है।



# ड्रग का अवैध कारोबार रोकने के लिए तकनीक का होगा उपयोग

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
देश में नशा करने वाली चीजों का अवैध कारोबार रोकने के लिए सभी राज्य मिलकर नई तकनीकों का उपयोग करेंगे। साथ ही इन तकनीकों को एक दूसरे से साझा भी करेंगे। गुरुवार और शुक्रवार को केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी (सीएपीटी) भोपाल में ड्रग कानून प्रवर्तन पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। यह नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) के उद्देश्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण आयोजन था। ड्रग खतरे से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग विषय पर सम्मेलन में चर्चा की गई। इसमें उन्नत उपकरणों और नवाचारों के उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही नशीली दवाओं की तस्करी की निगरानी तंत्र को और मजबूत कैसा किए जाए इस पर



अधिकारियों अपने-अपने नवाचार साझा किए।सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से 120 से अधिक अधिकारी पहुंचे, जबकि 100 से अधिक वर्चुअल शामिल हुए।सीबीआइ के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई में नागरिक

समाज, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को आगे आना चाहिए। एनएलआइयू भोपाल के कुलपति प्रोफेसर (डा.) एस. सूर्यप्रकाश ने ड्रग्स के खतरे के बारे में बताया। सीएपीटी के निदेशक अनिल किशोर यादव (आईपीएस) ने नशा मुक्त समाज बनाने पर जोर दिया।

# शौर्य स्मारक में सैन्य फिल्म का प्रदर्शन शहीद भवन में नाटक व लोकनृत्य प्रस्तुति

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 03 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुर्नीदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।चित्र प्रदर्शनी – मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रदर्श – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रदर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार



नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। श्रीराम कथा – श्यामला हिल्स पर स्थित मानस भवन में कीर्तिपुरुष पंडित रमाकांत दुबे की स्मृति में पंच दिवसीय प्रवचन श्रृंखला के तीसरे दिन दीदी भक्तिप्रभा श्रीराम कथा सुनाएंगी। समय दोपहर दो बजे से है। सैन्य फिल्म प्रदर्शन – शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म टू मैन एंड ए

करियर प्रदर्शित की जाएगी। यह फिल्म दो भाइयों के सेना में योगदान की कहानी पर आधारित है। फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण मुशरी अहमद ने किया है। नाटक व भरतनाट्यम – कोपल राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव के तीसरे दिन शहीद भवन में नाटक शिवोहम् का मंचन होगा। पूर्व रंग में करमा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। समय शाम छह बजे से है।

कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आज

# लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को लेकर होगा मंथन

**सिटी चीफ भोपाल ।**  
भोपाल। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिए चुनाव समिति और प्रत्याशी चयन को लेकर स्क्रीनिंग समिति की बैठक शुक्रवार को भोपाल में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में होगी। इसमें स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी चुनाव की तैयारियों को लेकर सदस्यों से चर्चा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने दोनों बैठकों में सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।नुावान की



तैयारियों पर होगी चर्चा माना जा रहा है कि केंद्रीय निवार्चन आयोग 15 मार्च से पहले लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है। इससे पहले कांग्रेस अपने कुछ उम्मीदवारों के

नामों की घोषणा कर सकती है। स्क्रीनिंग कमेटी की यह पहली बैठक है, जिसमें उम्मीदवारों के चयन को लेकर पार्टी की प्रदेश इकाई की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी।

## विभाग चलाने व बजट समझने के लिए मंत्रियों को प्रशिक्षित करेगी मोहन सरकार, आज और कल होगी ट्रेनिंग

भोपाल। मंत्री विभाग में कैसे काम करें, किन बातों का ध्यान रखें, अधिकारियों के साथ समन्वय कैसा हो और व्यवहार कैसा होना चाहिए, इन सभी बातों को लेकर मंत्रियों को सरकार प्रशिक्षित करेगी। इसके लिए अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में शनिवार से दो दिवसीय प्रशिक्षण होगा। इसमें वरिष्ठ मंत्रियों और विशेषज्ञों द्वारा मंत्रियों को बजट समझने, प्राथमिकताओं पर काम करने, कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए टीम भावना के साथ काम करने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।मोहन कैबिनेट में 17 सदस्य ऐसे हैं, जो पहली बार मंत्री बने हैं। इनमें चार मंत्री तो ऐसे हैं, जो पहली बार विधायक बने हैं। इन्हें प्रशासनिक व्यवस्था में काम करने का अनुभव नहीं है। प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी है। स्वाभाविक रूप से जन अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस स्वर्णिम भारत के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं, उसकी पूर्ति में भी मध्य प्रदेश से काफी अपेक्षाएं हैं। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सभी मंत्रियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम निर्धारित किया है। शनिवार को दोपहर से इसकी अलावा विषय विशेषज्ञों द्वारा बजट और प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी जाएगी।



संपादकीय

ऐतिहासिक फैसलों से लोकतंत्र हुआ मजबूत

गणतांत्रिक भारत के सबसे बड़े न्याय का मंदिर “सर्वोच्च न्यायालय” अपने 75 वें वर्ष में प्रवेश कर गया। इन सात से अधिक दशकों में सर्वोच्च न्यायालय के तहत हमारी न्यायपालिका ने भारतीय लोकतंत्र को आकार देने और इसे बनाए रखने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को कायम रखने, व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने, सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इसके निर्णयों का भारतीय लोकतंत्र के विकास पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। संविधान के संरक्षक के तौर पर देशवासियों की अटूट आस्था अर्जित कर अदालत के साथ ही न्याय के मंदिर के रूप में भी स्वयं को स्थापित किया है। चूंकि अभी-अभी हमने गणतंत्र दिवस पर अपने देश की सात दशकों की लम्बी यात्रा को याद किया इसलिए सर्वोच्च न्यायलय की हीरक जयन्ती पर इसकी जीवन यात्रा का स्मरण करना भी जरूरी है। भारत के एक प्रभुतासंपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी, 1950 को सर्वोच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। इसका उद्घाटन संसद भवन के नरेंद्र मंडल में हुआ था, जिसमें भारत की संसद भी थी। इस अवसर पर राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संघीय न्यायालय के न्यायाधीश मुख्य न्यायमूर्ति हरिलाल जेकिसुनदास और न्यायमूर्ति सैय्यद फजल अली, एम. पतंजलि शास्त्री, मेहर चंद महाजन, बिजन कुमार मुखर्जी और एस. आर. दास को पद की शपथ दिखाई थी। हरिलाल कानिया ने मुख्य न्यायाधीश के तौर पर 1950 से 1951 तक सेवा की। न्यायमूर्ति अन्ना चांडी 1959 में भारत में उच्च न्यायालय (केरल उच्च न्यायालय) के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला थीं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति फातिमा बीवी थीं। संसद भवन के नरेंद्र मंडल में, भारत का संघीय न्यायालय 1937 और 1950 के बीच 12 वर्षों तक चला। संघीय न्यायालय का गणतांत्रिक भारत का सर्वोच्च न्यायालय बनाया गया था।अपने वर्तमान भवन में 1958 में स्थानांतरित होने तक सर्वोच्च न्यायालय ने अपने उद्घाटन के बाद संसद भवन के एक हिस्से में अपनी बैठकें शुरू कीं। भवन का आकार न्याय के तराजू की छवि के रूप में बनाया गया है। भवन की केंद्रीय विंग तराजू की मुख्य बीम है। 1979 में, परिसर में दो नई विंग ‘पूर्वी विंग और पश्चिमी विंग’ जोड़ी गई। भवन की विभिन्न विंगों में कुल मिलाकर 19 न्यायालय कक्ष हैं। मुख्य न्यायमूर्ति का न्यायालय केंद्रीय विंग के केंद्र में स्थित न्यायालयों में से सबसे बड़ा है। 1950 के मूल संविधान में सर्वोच्च न्यायालय की परिकल्पना एक मुख्य न्यायमूर्ति और 7 अवर न्यायाधीशों के साथ की गई थी जबकि इस संख्या को बढ़ाने का कार्य संसद पर छोड़ दिया गया था। प्रारंभिक वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश एक साथ बैठकर अपने समक्ष प्रस्तुत मामलों की सुनवाई करते थे। जैसे-जैसे न्यायालय का कार्यभार बढ़ता गया और बकाया मामले बढ़ने लगे। संसद ने न्यायाधीशों की संख्या 1950 में 8 तक बढ़ाकर, 1956 में 11, 1960 में 14, 1978 में 18, 1986 में 26, 2009 में 31 और 2019 में 34 (वर्तमान संख्या) कर दी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायमूर्ति और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त 33 अन्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु के होने पर सेवानिवृत्त होते हैं।अपने सात दशकों के जीवनकाल में भारत का सर्वोच्च न्यायालय संविधान द्वारा गारंटीशुदा मौलिक अधिकारों की सुरक्षा में सहायक रहा है। ऐतिहासिक निर्णयों ने इन अधिकारों के दायरे को स्पष्ट और विस्तारित किया है, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा में योगदान मिला है। न्यायालय ने सार्वजनिक हित और महत्व के मुद्दों को संबोधित करने में न्यायिक सक्रियता प्रदर्शित की है। जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के माध्यम से, अदालत ने बड़े पैमाने पर जनता को प्रभावित करने वाले मामलों का संज्ञान लिया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, उपभोक्ता अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में हस्तक्षेप हुआ है। 1975 में घोषित आपातकाल के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत अधिकारों को बरकरार रखने, कार्यकारी कार्यों पर संविधान की सर्वोच्चता पर जोर देने और आपात स्थिति के दौरान भी सरकारी शक्ति की सीमित प्रकृति पर जोर देने वाले फैसले दिए। चुनावी मुद्दों को संबोधित करने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में सक्रिय रहा है। इसने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के उपयोग, राजनीतिक उम्मीदवारों द्वारा आयरार्थिक रिकॉर्ड का खुलासा और चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर निर्णय दिए हैं।सर्वोच्च न्यायालय पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करने में सक्रिय रहा है। उदाहरण के लिए, इसने ताज-महल को प्रदूषण से बचाने के उपायों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वायु और जल प्रदूषण से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाए। न्यायालय ने सामाजिक मुद्दों को संबोधित किया है और ऐसे निर्णय दिए हैं जिन्होंने सामाजिक सुधारों में योगदान दिया है। न्यायालय ने समानता के सिद्धांतों के साथ सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता को संतुलित करते हुए, आरक्षण नीतियों से संबंधित मुद्दों से निपटा है। इसने शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की सीमा पर दिशानिर्देश और सीमाएं निर्धारित की हैं। सन् 2019 में अयोध्या भूमि विवाद के समाधान ने अत्यधिक संवेदनशील और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करने की अदालत की क्षमता को प्रदर्शित किया, जिससे एक ऐसे मामले का कानूनी समाधान मिला, जिसका सांप्रदायिक संद्भाव पर महत्वपूर्ण प्रभाव था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी स्थापना के बाद से देश के कानूनी और न्यायिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य (1950) का मामला व्यक्तियों की निवारक हिरासत से संबंधित था और इसमें संविधान के सुरक्षात्मक प्रावधानों के संबंध में “संकीर्ण नियम” का सिद्धांत निर्धारित किया गया था। केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) जैसे ऐतिहासिक मामलों ने संवैधानिक संशोधनों की शक्ति को सीमित करते हुए बुनियादी संरचना के सिद्धांत को स्थापित किया। पीआईएल की अवधारणा एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (1982) के मामले में पेश की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिफन कार्बाइड कॉर्पोरेशन बनाम भारत संघ सहित विभिन्न मामलों में भोपाल गैस त्रासदी के कानूनी परिणामों से निपटा। मुआवजे के मुद्दों को निपटाने में अदालत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाहबानो मामला मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार से जुड़ा था और समान नागरिक संहिता पर बहस छिड़ गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बाद में सरकार ने कानून बनाकर परत दिया था। अयोध्या भूमि विवाद मामला भारतीय इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों में से एक था। सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 को अपना फैसला सुनाया, जिसमें विवादित स्थल को हिंदू मंदिर के निर्माण के लिए आवंटित किया गया और मुस्लिम समुदाय को मस्जिद के लिए जमीन का वैकल्पिक हिस्सा प्रदान किया गया।

समाज: तनाव और सद्भाव की पहेली, बदलनी होगी आक्रांताओं को नायक मानने की मानसिकता



हाल ही में एक अदालत द्वारा ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिलने से हिंदू-मुस्लिम संबंधों में तनाव की चर्चा है। 31 जनवरी को वाराणसी जिला न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदुओं को 30 वर्ष पश्चात पुनः नियमित पूजा का अधिकार मिला है। तब से वहां पूजा-अर्चना जारी है। भारतीय पुरातत्व विभाग की ज्ञानवापी पर सर्वेक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद यह न्यायिक आदेश मिला है। सदियों से इस परिसर के पश्चिमी दीवार पर खुली आंखों से (हिंदू वास्तुशिल्प-रूपांकन) दिख रहा है कि यह हिंदू मंदिर था। इससे पहले अयोध्या में रामजन्मभूमि को लेकर स्वतंत्रता के बाद भी सात दशकों से अधिक समय तक विवाद रहा था, जिसकी देश को मानवीय जीवन और अथाह संपत्ति के रूप में कीमत चुकानी पड़ी थी। मथुरा-काशी के साथ गौकशी आदि को लेकर भी यदा-कदा सांप्रदायिक तनाव के समाचार आते रहते हैं। क्या इस पृष्ठभूमि में देश में समरसता और सद्भाव कभी नहीं हो सकता ? एक फरवरी, 2024 को प्रकाशित खबर के अनुसार, ज्ञानवापी में आदि विश्वेश्वर की पूजा का इतिहास 473 वर्ष पुराना है। व्यास परिवार ने वर्ष 1551 में आदि विश्वेश्वर की पूजा प्रारंभ की थी, जो दिसंबर 1993 तक व्यासजी के तहखाने में जारी रही। परंतु तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार में बिना किसी लिखित आदेश के पूजा को बंद करा दिया गया। यह स्थिति तब थी, जब मंदिर के पुनर्निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने हेतु 15 अक्तूबर, 1991 को सिविल न्यायाधीश की अदालत में मुकदमा दाखिल किया था। इसमें दावा था कि विवादित स्थल प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेश्वर के मंदिर का अंश है, इसलिए उस स्थान पर हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार है। यदि इस मामले में अदालती इतिहास की बात करें, तो ब्रितानी राज में भी 1843, 1852, 1886, 1906, 1935 और 1936 में मुकदमे

दाखिल हुए थे। जो समूह ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष का विरोध कर रहे हैं, वे इस मामले को ‘पूजास्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम-1991’ के चरम से देखने या दो पक्षों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित करने या फिर इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से भारतीय संविधान में 100 से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। जहां 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान द्वारा प्रतिबद्ध ‘राजभत्ता’ (प्रिवीपर्स) को समाप्त किया, तो 1986 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय को संसद में प्रचंड बहुमत के बल पर पलटा जा चुका है। इस लिहाज से 1991 के उपरोक्त अधिनियम का हवाला देकर चर्चाएं रोकना शायद ही संभव है। दरअसल यह संघर्ष परिसर में किसी जमीन के टुकड़े भर के लिए नहीं है। इसकी पृष्ठभूमि जटिल है। यह राजनीतिक नहीं, अपितु विश्वास पर आधारित मामला है। पूरा वैचारिक उपक्रम आत्म-सम्मान, पहचान और सदियों से चले रहे सभ्यतागत संघर्ष से जुड़ा है, जो अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम द्वारा वर्ष 712 में सिंध पर आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। तब यहां स्थानीय बहुलतावादी संस्कृति को

नष्ट करने का मजहबी उपक्रम चला, साथ ही इस भूखंड की अस्मिता और सामाजिक जीवन के मानबिंदुओं को भी रौंद डाला गया। हजारों पूजास्थल धूल-धूसरित हो गए, तो असंख्य निरपराध हिंदू-बौद्ध-जैन या तो तलवार के भय से मर्तांतरित हो गए या फिर मजहबी उत्पीड़न के बाद उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। इस्लामी आक्रांता हिंदू मंदिरों को क्यों ध्वस्त करते थे? क्या केवल लूट के लिए या उन्माद के कारण? वास्तव में, लूट से बड़ी वजह उनकी मजहबी कट्टरता थी। इस मानसिकता का विवरण वर्ष 1908 में जी.रुस-केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवी पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971-1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर ध्वस्त नहीं करने के बदले अकूत धन देने की पेशकश की, तब उसने कहा था- %हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना है...। काशी का प्राचीन मंदिर भी वर्ष 1194 से 1669 के बीच कई बार इस्लामी आक्रमण का शिकार हुआ और हर बार हिंदू प्रतिकार का साक्षी भी बना। औरंगजेब

ने जब जिहादी फरमान जारी करके काशी के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर उसके अवशेषों से मस्जिद बनाने का आदेश दिया था, तब उसका उद्देश्य मुस्लिमों के लिए इबादतगृह बनाना न होकर पराजितों को अपमानित करना था। इस्लामी आक्रमणकारियों के अक्षय्य पापों को छिपाने के लिए जो कुतर्क दिए जाते हैं, उनमें सबसे प्रमुख है-आक्रांताओं ने भारत को अपना घर माना और लूट का समान वापस लेकर अपने उद्गमस्थान पर नहीं लौटे। यदि इसे आधार बनाएं, तो ब्रितानी राज को किस श्रेणी में रखा जाएगा? अंग्रेज वह विदेशी हमलावर थे, जिन्होंने 200 से अधिक वर्षों तक भारत को लूटा, यहां की मूल सनातन संस्कृति को बौद्धिक रूप से विकृत किया और स्वदेश रवाना हो गए। परंतु जब पहले इस्लामी आक्रांता भारत आए, तब कुछ भारी मात्रा में लूटी गई संपत्ति के साथ असंख्य ‘काफिरों’ को गुलाम बनाकर अपने साथ ले गए और बाद में आने वालों ने देश के बड़े हिस्से पर ही कब्जा कर लिया। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश उसी आधार पर जनित क्षेत्र हैं, जो कभी बहुलतावादी सांस्कृतिक भारत का हिस्सा थे। लेकिन वह इतिहास है और वर्तमान पीढ़ी उसकी दोषी कैसे हो सकती है? निश्चित ही सोमनाथ, अयोध्या, ज्ञानवापी या फिर मथुरा आदि में इस्लाम के नाम पर आततायियों द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए वर्तमान भारतीय मुस्लिमों को दोषी ठहराने का कोई औचित्य नहीं है। आज के मुसलमान उन आक्रांताओं के साथ स्वयं को क्यों जोड़ें? दरअसल भारत में एक वर्ग न केवल गजनवी, गौरी, बाबर, औरंगजेब या टीपू को अपना नायक मानता है, बल्कि उनके कामों को भी न्यायोचित ठहराने का प्रयास करता है। इसी वजह से जटिलताएं खड़ी होती हैं। जब तक यह मानसिकता हावी रहेगी, तब तक देश में सद्भाव और समरसता का रास्ता बाधित होता रहेगा।

परिदृश्य: पाकिस्तान में मुश्किलों का दौर, चुनाव की दहलीज पर सियासी घटनाओं का जमघट

पाकिस्तान में पिछले एक पखवाड़े की घटनाओं ने दुनिया को हैरान कर दिया है। अब जबकि आम चुनाव में एक हफ्ते भी नहीं बचे हैं, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीटीआई संस्थापक इमरान खान को तीसरी पत्नी बुशरा बीबी समेत 14 वर्षों की जेल की सजा सुनाई गई है।पिछले एक पखवाड़े में पाकिस्तान में इना कुछ घटा है कि ज्यादातर खबरों ने दुनिया भर को हैरान कर दिया है। सबसे पहले क्रिकेटर शोएब मलिक के तलाक और निकाह की खबरें आई और दुनिया भर के लोगों का ध्यान उसकी गरिमामय पत्नी सानिया मिर्जा की तरफ गया। जिस पाकिस्तानी ने भी इस घटना पर टिप्पणी की, सबने सानिया मिर्जा को पक्ष लिया और सबने उसकी और शादी में उसकी निष्ठा की प्रशंसा की। लोगों ने इस बात की भी काफी सराहना की कि वह अब एकल अभिभावक के रूप में अपने दम पर बेटे की परवरिश कर रही है। किसी को भी शोएब मलिक के प्रति सहानुभूति नहीं है, जिसने अब तीसरा निकाह किया है। फिर पाकिस्तान के लोग तब सद्मे और आश्चर्य में पड़ गए, जब एक मित्र पड़ोसी देश ईरान ने बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर में उसके इलाके में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें बच्चों सहित कुछ बेगुनाह लोग मारे गए। ईरान का कहना है कि उस इलाके में ईरान विरोधी सुन्नी आतंकी समूह के शिबिर हैं। इस हमले की कुछ

पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए राजनीतिक विश्लेषक आयशा सिद्दिकी ईरान और पाकिस्तान के बीच मतभेदों का इशारा करती हैं, %अफगानिस्तान के भविष्य और नियंत्रण से लेकर ग्वादर बनाम चाबहार बंदरगाहों तक ईरान और पाकिस्तान एक-दूसरे पर भारी संदेह करते हैं। इसके अलावा, वह एक और पहलू की ओर इशारा करती हैं, वह है तेहरान का भारत के साथ घनिष्ठ संबंध, जिसके चलते पाकिस्तान पर हमले से ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की तेहरान यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वर्ष 1979 में तेहरान अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण पाकिस्तान पर संदेह करता रहा है। अब उस इस बात की चिंता है कि ईरान को घेरने और निशाना बनाने के अमेरिकी प्रयास में इस्लामाबाद को शामिल किया जा सकता है। पाकिस्तान ने अपने विदेश मंत्रालय से कई संदेश भेजे और तेहरान को समय देते हुए हमले के लिए औपचारिक माफी का इंतजार किया। जब सरकार ने देखा कि तेहरान माफी मांगने के लिए तैयार नहीं है, और इस बात पर जोर दे रहा है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है, बल्कि कुछ ईरान विरोधी चरमपंथियों के खिलाफ है, तो पाकिस्तानी वायु सेना ने उसका बदला लिया। हालांकि दोनों मुल्कों ने तब इतिहास रचा, जब वे युद्ध के कगार से पीछे हटे। पिछले हफ्ते ईरान ने अपने

विदेश मंत्री को इस्लामाबाद भेजा, जहां दोनों पक्षों ने एक तंत्र स्थापित करने पर सहमति जताई, ताकि इस तरह की घटनाओं को पुनरावृत्ति न हो। विश्लेषक उस समय को भी याद करते हैं, जब 2019 में प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान ईरान गए थे और अपने साथ आईएसआई के तत्कालीन महानिदेशक जनरल असीम मुनीर को ले गए थे, जो अभी पाकिस्तानी सेना के प्रमुख हैं। उस समय आतंकवाद पर स्पष्ट बातचीत से नीतिगत सफलता मिली थी। दोनों देशों के नेता आतंकवाद की गंभीर समस्या से निपटने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए थे। मानो पाकिस्तान की ये घटनाएं ही दुनिया को हैरान करने के लिए काफी नहीं हों, मुल्क में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता शाह महमूद कुरैशी को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित ट्रायल कोर्ट द्वारा साइफर मामले में दस साल की सजा सुनाई। साइफर मामला दो चीजों से संबंधित है। पहला, प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान को विदेश मंत्रालय से गोपनीय साइफर को एक प्रति दी गई थी, जो वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के टेलीग्राम से संबंधित थी, जिन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के बारे में

कहा था कि बाइडन प्रशासन इमरान खान द्वारा दिए गए अमेरिका विरोधी बयानों से खफा है। इमरान खान ने राजनीतिक कारणों से साइफर का अवैध इस्तेमाल करते हुए कहा कि अमेरिकियों ने उनकी सरकार को हटाने की साजिश रची थी। दूसरा मामला, जो इमरान खान के खिलाफ गया, वह यह था कि उन्होंने अदालत को बताया कि उन्हें नहीं मालूम कि साइफर को लापता प्रति कहा है। यह चौंकाने वाली बात है, क्योंकि प्रधानमंत्री इसे पढ़ने के बाद विदेश मंत्रालय को लौटाने के प्रति बाध्य हैं। इतना संवेदनशील दस्तावेज यों ही गायब नहीं हो सकता। इमरान खान को दूसरी सजा उनके बढ़ते कानूनी और राजनीतिक संकटों के बीच सुनाई गई है, क्योंकि क्रिकेटर से नेता बने इमरान से पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी, जिसने उन्हें जेल की सजा के निलंबन के बावजूद आगामी आठ फरवरी के चुनावों से बाहर कर दिया। साइफर मामले में सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद ही जवाबदेही अदालत ने न केवल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, बल्कि उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी को भी एक अन्य मामले में 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह तोशाखाना मामला था, जो विदेशों में मिले आभूषण एवं अन्य महंगे उपहार तोशाखाना में जमा करने के बदले अपने पास रखने से संबंधित था। क्यों याद

नहीं आता कि पाकिस्तान के इतिहास में किसी पूर्व प्रधानमंत्री एवं उनकी पत्नी को एक साथ 14 वर्षों के लिए रावलपिंडी के एक ही जेल में एक साथ रखा गया। न ही इससे पहले कभी किसी राजनीतिक दंपती के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया। पिता व बेटी को एक ही समय जेल में डालने का एक उदाहरण पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज शरीफ का है, पर उन दोनों को अलग-अलग जेलों में रखा गया था। जिस तरह इमरान खान को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया गया है, उसी तरह जब नवाज शरीफ को चुनाव से पहले अयोग्य ठहराकर जेल भेजा गया था, तो इमरान खान और उनकी पार्टी ने खुशी से मिठाई बांटी थी। हालांकि नवाज शरीफ ने इमरान की सजा को गंभीरता से लिया है, पर खुशी जाहिर करने से परहेज किया है। पाकिस्तान में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके मन में इमरान खान के लिए कोई सहानुभूति नहीं है और वे कहते हैं कि वह दंडित किए जाने योग्य हैं। उनका कहना है कि एक पूर्व प्रधानमंत्री साइफर जैसे गोपनीय दस्तावेज को सार्वजनिक नहीं कर सकता, झूठ नहीं गढ़ सकता, तथ्यों को विकृत नहीं कर सकता, विदेशी रिश्तों को खराब नहीं कर सकता, भ्रामक अभियान नहीं चला सकता और फिर खुद को निर्दोष नहीं बता सकता। जाहिर है, आने वाले महीनों में पाकिस्तान बहुत मुश्किल में दिखेगा।

दस दिनों में रामलला को 12 करोड़ का चढ़ावा, ऑनलाइन भी खूब मिल रहा है दान

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से ही राममंदिर में दान दिया जा रहा है। 23 जनवरी को जब से राममंदिर आम भक्तों के लिए खुला है, तब से लगातार भक्त उमड़ रहे हैं। पिछले दस दिनों में रामलला को लगभग 12 करोड़ का दान प्राप्त हो चुका है।रामभक्त रामलला के दरबार में दिल खोलकर दान कर रहे हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से ही राममंदिर में दान दिया जा रहा है। 23 जनवरी को जब से राममंदिर आम भक्तों के लिए खुला है, तब से लगातार भक्त उमड़ रहे हैं। पिछले दस दिनों में रामलला को लगभग 12 करोड़ का दान प्राप्त हो चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन 22 जनवरी को समारोह में पहुंचे आठ हजार मेहमानों ने पूरे भाव से निधि समर्पण किया था। इसके चलते 22 जनवरी को ही 3 17 करोड़ का दान रामलला को प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री योगी के साथ भाजपा के सभी विधायक 11 फरवरी को रामलला के दर्शन करेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और समर्थक दलों के विधायक भी मौजूद रहेंगे। पूर्व में सीएम योगी ने एक फरवरी को कैबिनेट के साथ दर्शन करने की घोषणा की थी। नवनिर्मित राममंदिर की वार्षिक उत्सव तालिका तैयार हो चुकी है। नए मंदिर में पहले उत्सव के रूप में 14 फरवरी को बसंत पंचमी मनाई जाएगी। इसमें माता सरस्वती की पूजा होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वर्षभर में राममंदिर में 12 प्रमुख उत्सव व पर्व मनाए जाएंगे।



## सामने आई सच्चाई सर्वाइकल कैंसर नहीं बल्कि इस वजह से हुई पूनम पांडे की मौत!



नई दिल्ली- शुक्रवार सुबह एक ऐसी खबर सामने आती है, जो हर किसी को हैरान करके रख देती है. पूनम पांडे के इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट दिखाता, जिसमें दावा किया जाता है कि वो अब इस दुनिया में नहीं रहीं. उस पोस्ट में ये बताया गया कि उनकी मौत हो चुकी है. मौत की वजह सर्वाइकल कैंसर ) बताई गई. हालांकि अब इस मामले में हैरान कर देने वाली बात सामने आई है. अब जूम से बातचीत में पूनम पांडे से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया है कि उनकी मौत सर्वाइकल कैंसर की वजह से नहीं, बल्कि ड्रग ओवरडोज की वजह से हुई है. हालांकि ये कफर्म नहीं है कि वो किस तरह की दवाइयों का सेवन कर रही थीं. आपको बता दें कि परिवार या फिर ऑफिशियल तौर पर अभी इस बारे में कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है कि आखिर उनकी मौत की असली वजह क्या है? एक दूसरे रिपोर्ट की मांनें तो पूनम की मौत की खबर सामने आने के बाद से उनके परिवार से संपर्क नहीं हो रहा है. कहा जा रहा है कि परिवार को फोन करने की कोशिश तो की जा रही है, लेकिन सबका फोन बंद आ रहा है. अब देखना होगा कि आगे इस मामले में और क्या कुछ जानकारी सामने निकलकर आती है. शुक्रवार को सुबह-सुबह पूनम पांडे के इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट होता है. उसमें लिखा होता है, ये सुबह हम सभी के लिए काफी मुश्किल है. ये बताते हुए दुख हो रहा है कि सर्वाइकल कैंसर की वजह से हमने अपनी प्यारी पूनम को खो दिया. ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई. किसी की भी यकीन नहीं हुआ कि आखिर अचानक ऐसा कैसे हो सकता है. पूनम अभी सिर्फ 32 साल की थीं.

## आलीशान घर..महंगी गाड़ियां करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं ‘निरहुआ’

नई दिल्ली । भोजपुरी सिनेमा में दिनेश लाल यादव यानि निरहुआ काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग रखते हैं। आज 2 फरवरी को एक्टर अपना 45वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में आपको उनकी नेटवर्थ से रूबरू करावा रहे हैंच। जानिए कितनी संपत्ति के मालिक हैं दिनेश लाल यादव..। दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ काम नाम उन सितारों में शामिल है. जिन्होंने एक लंबे संघर्ष के बाद कामयाबी का मुकाम हासिल किया था. आज एक्टर भोजपुरी के सुपरस्टार कहलाता हैं. जो ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि सिंगिंग से भी लोगों का दीवाना बनाते हैं. इसके अलावा एक्टर बीजेपी के सांसद भी हैं. यही वजह है कि कभी 500 रुपए कमाने वाले



निरहुआ आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं. चलिए जानते हैं उनकी नेटवर्थ के बारे मेंच..। दिनेश लाल यादव रीजनल सिनेमा के सबसे महंगे स्टार्स में से एक हैं. जिन्होंने अभी तक इंडस्ट्री को कई सारे सुपरहिट फिल्में दी है. बहुत कम लोग जानते हैं कि कभी सिर्फ 500 रुपए फीस लेने वाले निरहुआ आज एक फिल्म के लिएए 40 से 50 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं। दिनेश लाल यादव रीजनल सिनेमा के सबसे महंगे स्टार्स में से एक हैं.

जिन्होंने अभी तक इंडस्ट्री को कई सारे सुपरहिट फिल्में दी है. बहुत कम लोग जानते हैं कि कभी सिर्फ 500 रुपए फीस लेने वाले निरहुआ आज एक फिल्म के लिएए 40 से 50 लाख रुपए तक की फीस चार्ज करते हैं।

वहीं चुनावी हलफनामे के मुताबिक आज दिनेश लाल यादव करीब 6 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक बन चुके हैं। इतना ही नहीं निरहुआ का मुंबई में एक आलीशान प्लैट भी है. जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए की है। निरहुआ की सोशल मीडिया पर भी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर एक्टर को 1 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. फिल्मों में उनकी जोड़ी सबसे ज्यादा आम्रपाली दुबे के साथ पसंद की जाती है।



## इन पंजाबी गायकों ने हिंदी फिल्मों में दिखाया अपने अभिनय का दम, हिट फिल्मों में आए नजर

बीते कुछ सालों में पंजाबी गायकों ने तेजी बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने न सिर्फ अपने गानों से हिंदी दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपने अभिनय का दम भी दिखाया। अब इस लिस्ट में चर्चित सिंगर गुरु रंधावा का नाम भी शामिल हो गया है। वे कुछ खट्टा हो जाए फिल्म से बॉलिवुड में एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं, लेकिन गुरु

रंधावा से पहले कई पंजाबी कलाकारों ने हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा है, चलिए उनके बारे में आपको बताते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम वही, दिलजीत दोसांझ का है, जिन्होंने अक्षय कुमार, करीना कपूर और कियारा आडवाणी के साथ गुड न्यूज में काम किया। इसके अलावा वे अनुष्का शर्मा के साथ फिक्करी

और मनोज बाजपेयी के साथ सूरज पर मंगल भारी जैसी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने साल 2018 की फिल्म सूरसा में भी काम किया इस फिल्म उनके साथ तापसी पन्नू मुख्य भूमिका में थीं। फेमस सिंगर गैरी संधू का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है, गैरी ने स्ट्रीट डॉंसर और दे दे प्यार दे जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं, एम्मी विर्क रणवीर सिंह

स्टारर 83 में नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने अजय देवगन के साथ भूज-द प्राइड ऑफ इंडिया में भी काम किया। बापू जर्मींदार से लोगों के दिल जगह बनाने वाले जस्सी गिल भी बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं, वे साल 2020 कंगना रणौत के साथ पंगा और साल 2018 की फिल्म हैप्पी फिर भाग जाएगी

में नजर आए थे। इसके अलावा फेमस पंजाबी सिंगर हाडी संधू भी इस लिस्ट में शामिल हैं, उन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा दिखाया। उन्होंने रणवीर सिंह स्टारर 83 में काम किया। इसके अलावा साल 2022 में आई कोड नेम तिरंगा और आयुष्मान खुराना की फिल्म बाला में अपने अभिनय का दम दिखाया।

## यामी गौतम की फ़िल्म ‘आर्टिकल 370’ का पहला गाना ‘दुआ’ रिलीज़

मुंबई । यामी गौतम की आगामी फिल्म ‘आर्टिकल 370’ का टीज़र के बाद अब एक गाना ‘दुआ’ रिलीज़ कर दिया गया। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों की दिलचस्पी भी बढ़ रही है। यह एक पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इसकी कहानी को इंटरस्टिंग बनाने के लिए फिल्म के स्टार कलाकारों ने कड़ी मेहनत की है। दिलचस्प टीज़र के बाद अब फिल्म ‘आर्टिकल 370’ का पहला गाना ‘दुआ’ एक दिल छू लेने के साथ उन सभी बहादुर दिलों के लिए एक आदर्श गीत है, जो बिना किसी शर्त के देश की सेवा करते हैं। इस गाने को सिंगर जुबिन नौटियाल और शाश्वत सचदेव ने स्वरबद्ध किया है। शाश्वत ने ही गाने का म्यूज़िक भी तैयार किया है। गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं, जबकि फ़िल्मेल वॉइस प्रियांशी नायडू ने दी है। यामी कहती हैं कि, जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं बेहद भावुक हो गई थी। गाने के बोल इतने दमदार हैं कि वे आपके दिल को छू जाते हैं। साथ ही, इसे कश्मीर के बहुत ही खूबसूरत इलाकों में शूट किया गया है। यह उन सभी लोगों के लिए एक ट्रिब्यूट है, जो निस्वार्थ भाव से



गर्व की भावना जगाएगा। यह गाना अब सारेगामा म्यूज़िक यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।जियो स्टूडियोज़ और फिल्म ‘उरी - द सर्जिकल स्ट्राइक’ के मेकर की ओर से ‘आर्टिकल 370’ एक हाई ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जंभले ने किया है। ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर की निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ की जाएगी।

## फिल्म ‘पुष्पा’ के एटर जगदीश जेल से बेल पर हुए रिहा, अल्लू अर्जुन के साथ शुरु की शूटिंग

नई दिल्ली। फिल्म पुष्पा के एक्टर जगदीश प्रताप भंडारी बेल मिलने के बाद पुष्पा 2 की शूटिंग के लिए आ गए हैं। जगदीश के आने से सेट पर सभी काफी खुश हैं क्योंकि उनकी वजह से शूटिंग करने में काफी देरी हो रही थी। उनके सीन फिल्म में जरूरी थे इसलिए जगदीश का काफी इंतजार किया जा रहा था। बता दें कि जगदीश पर महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था।



**जगदीश का रोल जरूरी**  
फिलहाल हैदराबाद में गंगम्मा जथारा सीकेंस पर फोकस करते हुए शूटिंग को प्रोडक्शन हाउस से समर्थन मिला है जिसने कथित तौर पर फिल्म की कहानी के लिए महत्वपूर्ण दृश्यों को पूरा करने के लिए जगदीश की रिलीज में मदद

की। हालांकि इस बारे में अभी तक टीम की तरफ से कोई ऑफिशियल कमेंट नहीं आया है।  
**क्या था आरोप**  
जगदीश को एक महिला को उसकी इंटीमेट फोटोज वायरल करने की धमकी को लेकर उसे आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 6 दिसंबर को जगदीश को महिला

के परिवार वालों द्वारा की गई शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था। ऐसा कहा जा रहा था कि वह महिला, जगदीश के साथ रिलेशनशिप में थीं।

**कौन हैं जगदीश**  
जगदीप ने साल 2018 में निरुदयोगा नतुलु से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। वहीं 2021 की फिल्म पुष्पा से जगदीश की पॉपुलैरिटी बढ़ी। फिल्म पुष्पा 2 की बात करें तो फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ फहद फासिल, रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। वहीं इसे डायरेक्टर सुकुमार कर रहे हैं। फिल्म इसी साल 15 अगस्त के मौके पर रिलीज होगी।

### अभिषेक-ईशा के रिश्ते से अभिनेत्री की मां को था एतराज, इस वजह से समर्थ की हुई थी एंट्री

बिग बॉस 17 फेम अभिषेक कुमार ने शो में अपने सफर के दौरान खूब सुर्खियां बटोरीं। शो के रनरअप बनने के बाद भी अभिषेक ने अपने सफर के बारे में बात करके सबको चर्चा में ला दिया है। उन्होंने हाल ही में एक बातचीत में अपने बिग बॉस 17 के सफर और ईशा मालवीय के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि ईशा की मां उनके रिश्ते के खिलाफ थीं। अभिषेक कुमार ने कहा कि उनकी एक्स गर्लफ्रेंड ईशा मालवीय के उन्हें थपड़ मारने के आरोप झूठे थे। उन्होंने पुष्टि की कि ईशा की मां को उनके रिलेशनशिप से परेशानी थी। अभिनेता ने कहा, जब आपकी प्रतिष्ठा पर दाग लग जाए तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। गलती करना मानवीय है, लेकिन केवल एक अछा व्यक्ति ही उन गलतियों को कभी नहीं दोहराएगा। मैंने गलतियां की हैं, लेकिन नए साल पर मेरे द्वारा उसे थपड़ मारने के आरोप झूठे हैं। उन्होंने कहा, मेरा स्वभाव आक्रामक था, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने इसके लिए पश्चाताप किया है। छह महीने जब मैं बिस्तर पर था और तीन महीने बिग बॉस में इसके लिए मैंने पश्चाताप किया है। अब मैं इस जोन से बाहर हूँ, मुझे भी खुश होने का हक है। मैं इसके बारे में बात करके उदास नहीं होना चाहता। अभिनेता ने कहा, ईशा की मां हमारे रिश्ते के खिलाफ थी क्योंकि वह चाहती थी कि ईशा मुझसे यादा अपने करियर पर ध्यान दें। अभिषेक ने आगे कहा, जब आप किसी रिश्ते में होते हैं, तो आप विचलित हो जाते हैं, इसलिए वह अपनी जगह पर सही थी। वह चाहती थी कि ईशा अपने करियर को प्राथमिकता दें, इसलिए वह इस रिश्ते के खिलाफ थीं। अभिषेक के बाद ईशा अब समर्थ जुरेल के साथ रिलेशनशिप में हैं। उन्होंने अपने बिग बॉस 17 के सफर पर बात करते हुए कहा, यह भावनात्मक और मानसिक रूप से काफी थका देने वाली यात्रा थी। मैं हर दिन टूटता था और हर दिन वापस लौटता था।

## इंस्टाग्राम पर आया नया फीचर... अब एडिट कर पाएंगे अपना मैसेज

नई दिल्ली : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने अपने यूजर्स को एक नया गिफ्ट दिया है. अब इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आप कोई मैसेज भेजने के बाद उसमें बदलाव कर पाएंगे. इंस्टाग्राम ने इस फीचर के बारे में जानकारी दी है, जिसमें कहा गया है कि अब कोई भी यूजर मैसेज भेजने के बाद 15 मिनट के अंदर उसमें बदलाव कर सकता है. इससे उन लोगों को बेहद लाभ होगा, जो मैसेज भेजते समय उसमें कोई गलती कर जाते हैं. मैसेज में एडिट करने का फीचर व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसे सोशल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पहले से ही चला रहे हैं. अब इंस्टाग्राम भी उनकी कतार में शामिल हो गया है. हालांकि इंस्टाग्राम पर किसी को भेजे गए मैसेज में यदि आप बदलाव करते हैं यानी उसे एडिट करते हैं तो इसकी जानकारी सामने वाले को मिल जाएगी.



दरअसल एक बार आपके मैसेज को मॉडिफाई कर देने पर वह चैटबॉक्स में ‘एडिटेड’ लेबल के साथ दिखाई देने लगा. यदि आप भी जानना चाहते हैं कि इंस्टाग्राम पर आप अपना कोई मैसेज किस तरह से एडिट कर पाएंगे तो हम आपको इसकी आपके लिए पेश कर रहे हैं. सबसे पहले आप इंस्टाग्राम ऐप को खोलिए और उसमें उसे एडिट करते हैं तो इसकी जानकारी सामने वाले को मिल जाएगी.

करना है, उस पर जाकर क्लिक कीजिए. मैसेज पर क्लिक करने के बाद उसे कुछ देर तक दबाए रखें. सामने आने वाले ऑप्शंस में से थ्रसद्वह् सलेक्ट करें और मैसेज टेक्स्ट में सुधार कर लें. सुधार करने के बाद यदि आप मैसेज में हुए बदलाव से संतुष्ट हैं तो दोबारा स्ट्रक्चर पर क्लिक करें. स्ट्रक्चर पर क्लिक करने के बाद एडिट विंडो बंद हो जाएगी और आपके मैसेज अपडेट हो जाएगा. याद

रहे कि यह काम मैसेज भेजने के 15 मिनट के अंदर ही करना होगा. यदि आपने यह काम तय टाइम लिमिट में नहीं किया तो फिर एडिट फीचर काम नहीं करेगा. आपको ध्यान रखना होगा कि मैसेज में बदलाव होने के बाद उस पर लेबल लगा आएगा. यह हो सकता है कि सामने वाले ने एडिट होने से पहले ही आपका मैसेज पढ़ लिया हो. ऐसे में उसके इनबॉक्स में आपके एडिटेड मैसेज का नोटिफिकेशन के तौर पर पहुंचेगा. यदि आपके मैसेज को लेकर कोई रिपोर्ट की जाती है तो रिपोर्ट में उसके साथ एडिट हिस्ट्री भी जुड़ेगी. आप उस मैसेज को एडिट नहीं कर पाएंगे, जिसमें किसी को मेशन किया गया होगा, लेकिन आप उसे कर सकते हैं. कोई भी मैसेज अधिकतम 5 बार ही एडिट किया जा सकता है यानी इसके बाद उसमें बदलाव नहीं होगा.

### किस्सों के जादूगर रस्किन बॉन्ड से मिले जयदीप

**बोले, यह मुलाकात किसी पुरस्कार से कम नहीं**  
अभिनेता जयदीप अहलावत ने हाल ही में लेखक रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की। जयदीप अहलावत ने रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करके उनके साथ बिताए खुशी के पल साझा किए। जयदीप अहलावत कहते हैं कि रस्किन बॉन्ड से मुलाकात एक रोमांचक अनुभव रहा है, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। लेखक रस्किन बॉन्ड ने 500 से अधिक लघु कथाएं, निबंध और उपन्यास लिखे हैं, जिनमें बच्चों के लिए 69 किताबें शामिल हैं। जयदीप अहलावत ने बचपन में रस्किन बॉन्ड की लिखी कई किताबें पढ़ी हैं। जयदीप अहलावत कहते हैं, जब रस्किन बॉन्ड से मुलाकात हुई तो बचपन की वह सारी यादें तरोताजा हो गई, जो मैंने उनकी किताबों में पढ़ी थी। रस्किन बॉन्ड से मिलना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं था। बचपन में जब हम किसी के बारे में उनके कार्यों के लिए जानते हैं तो उनसे मुलाकात का एक अलग ही अनुभव और आनंद आता है। जयदीप अहलावत, रस्किन बॉन्ड से मुलाकात की चर्चा करते हुए कहते हैं, रस्किन बॉन्ड से मुलाकात के बाद मुझे ऐसा एहसास हुआ कि उन सभी अद्भुत कहानियों की किताबों के पीछे के दिमाग वाले व्यक्ति से मिलना किसी कल्पना से परे था। मेरे लिए मुलाकात किसी रोमांचक अनुभव से कम नहीं था। लेखक रस्किन बॉन्ड के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए जयदीप अहलावत कहते हैं, मैं महान लेखक रस्किन बॉन्ड से मिलकर कितना खुश हुआ उस शब्दों में नहीं व्यक्त कर सकता। उनके साथ अकेले में समय बिताकर बहुत आनंद मिला। जिनके बारे में उनकी लेखनी के जरिए जानने और समझने का मौका मिला, जब आप ऐसी शिख्रियत से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करते हैं, तो उस मुलाकात का अपना एक अलग सुख और अनुभव होता है। अभिनेता जयदीप अहलावत ने उस खूबसूरत संदेश की तस्वीर भी साझा की, जिस पर रस्किन बॉन्ड ने कलेक्टेड शॉर्ट स्टोरीज रस्किन बॉन्ड की अपनी निजी प्रति पर उनके लिए हस्ताक्षर किए थे। अपने नोट में रस्किन बॉन्ड ने जयदीप अहलावत को फिल्मों के लिए शुभकामनाएं दीं।



# आयातित उड़द की लागत ऊंची होने से कीमतों में तेजी, तुवर भी उछली

## घटे दामों पर पूछताछ आने से सोया व मूंगफली तेल में सुधार

इंदौर। बीते कुछ दिनों में डालर की दर में मजबूती दर्ज हुई है। चेन्नई पोर्ट पर आयातित उड़द की पड़तल ऊंची बैठने के कारण इसके दाम भी बढ़ाकर बोले जा रहे हैं। मुंबई उड़द (एफएक्यू) बढ़कर 9100-9150, चेन्नई उड़द (एफएक्यू) 9850-9900 रुपये तक बोली जा रही है। इसके चलते इंदौर मंडी में शुक्रवार को उड़द में करीब 300 रुपये की नई तेजी देखने को मिली है। उड़द बेस्ट 8800-9500, मीडियम 7000-8000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

इंदौर। बीते कुछ दिनों में डालर की दर में मजबूती दर्ज हुई है। चेन्नई पोर्ट पर आयातित उड़द की पड़तल ऊंची बैठने के कारण इसके दाम भी बढ़ाकर बोले जा रहे हैं। मुंबई उड़द (एफएक्यू) बढ़कर 9100-9150, चेन्नई उड़द (एफएक्यू) 9850-9900 रुपये तक बोली जा रही है। इसके चलते इंदौर मंडी में शुक्रवार को उड़द में करीब 300 रुपये की नई तेजी देखने को मिली है। उड़द बेस्ट 8800-9500, मीडियम 7000-8000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।



अच्छी पूछताछ रहने और आवक बेहद सुस्त होने के कारण भाव में तेजी रही। तुवर में करीब 300 रुपये की नई तेजी देखने को मिली है। इसके समर्थन में तुवर दाल भी करीब 300 रुपये तक ऊंची बोली जा रही है। तुवर महाराष्ट्र सफेद बढ़कर 10400-10600, कर्नाटक 10600-10900, निमाड़ी तुवर 8800-10400, तुवर दाल बढ़कर 12400-12500, मीडियम 13400-13500, बेस्ट 14500-14600, ए. बेस्ट 15500-15600, पैकिंग में तुवर दाल नई 15600 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

उधर, बर्मा में भी नई उड़द की आवक बढ़ेगी और बर्मा में उड़द का उत्पादन अनुमान भी ज्यादा है। हालांकि खपत का सीजन के कारण उड़द दाल में दक्षिण भारत की मांग बनी रहने के आसार हैं। दूसरी ओर तुवर में मिलर्स की

रुपये की तेजी रही। दूसरी ओर काबुली चने में लेवाली का दबाव जोरदार रहने और आवक बेहद कमजोर होने के कारण भाव में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। काबुली चना 100 रुपये और उछल गया। कंटेनर में डालर चना बढ़कर (40/42) 15600, (42/44) 15400, (44/46) 15200, (58/60) 14100, 60/62 14000, 62/64 13900 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया।

**दलहन के दाम** - चना कांटा 5900, विशाल 5750, डंकी 5250-5500, मसूर 6000, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10400-10600, कर्नाटक 10600-10900, निमाड़ी तुवर 8800-10400, मूंग 9000-9400, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9500, मीडियम 7000-8000, हलका उड़द 3000-5000, गेहूं मिल

क्वालिटी पुराना 2350-2550, नया 2300-2500, मालवराज पुराना 2400-2450, मालवराज बेस्ट 2575-2600, लोकवन 2625-3450, पूर्णा 2700-3000 रुपये क्विंटल के भाव रहे।

**दालों के दाम** - चना दाल 7500-7600, मीडियम 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 10600-10700, बेस्ट 10800-10900, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 12400-12500, मीडियम 13400-13500, बेस्ट 14500-14600, ए. बेस्ट 15500-15600, पैकड तुवर दाल नई 15600, उड़द दाल 10900-11000, बेस्ट 11100-11200, उड़द मोगर 11400-11500, बेस्ट 11600-11700 रुपये रुपये क्विंटल।

**इंदौर चावल भाव** - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिवार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूछ डिनरकिंग 8500, राजभांग 7500, दुबाराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

इंदौर। घरेलू तेल बाजार में घटे दामों पर सोयाबीन और मूंगफली तेल में डिमांड छुटपुट रूप से आने के कारण सुधार रहा। सोया तेल इंदौर 870-875, मूंगफली तेल इंदौर 1510-1520 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया। मांग का दबाव बढ़ने पर कीमतों में और सुधार की उम्मीद की जा रही है। हालांकि अमेरिका से निराशाजनक निर्यात आंकड़ों के कारण सीबीओटी कुछ कमजोर देखा गया। अमेरिकी का सप्ताहिक सोयाबीन निर्यात 71 प्रतिशत गिरकर 1.65 लाख टन रह गया। ब्राजील से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच चीन की मांग एक बड़ी चिंता है। स्टोनेक्स एजेंसी ने ब्राजील मे सोयाबीन का उत्पादन का अनुमान 152.8 मिलियन टन से घटकर 150.35 मिलियन टन कर दिया है। यूएसडीए द्वारा ऊंचे अमेरिकी सोयाबीन तेल स्टॉक की रिपोर्ट के बाद सीबीओटी सोया तेल ने अपनी बढ़त गंवाई और गिरावट के साथ बंद हुआ। यूएसडीए ने कहा दिसंबर के अंत में सोया तेल का स्टॉक 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1.36 बिलियन पाउंड हो गया है।

प्रमुख आयातक चीन से कम मांग, ब्राजील की सस्ती फसल और अर्जेंटीना में अनुकूल मौसम से सीबीओटी सोयाबीन पर दबाव बढ़ गया है। चीन अमेरिकी बाजार में कमजोरी के



संकेतों से केएलसीई 36 अंक माइनस पर कारोबार करता देखा गया। पाम तेल उत्पादन में गिरावट से मलेशिया का स्टॉक जनवरी अंत तक घट सकता है। मंडी में सोयाबीन 4500, सरसों निमाड़ी 6300, राइड़ा 4800-5000, नया 3900-4400 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे।

ब्राजील सोयामील पिछले एक साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं भारतीय सोयामील की कीमत ब्राजील से 100 डालर ऊंची चल रही है। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1510-1520, मुंबई मूंगफली तेल 1525, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाईंड 870-875, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 815-820, इंदौर पाम 893, मुंबई सोया रिफाईंड 750, सोया

डीगम 800, मुंबई पाम तेल 846, राजकोट तेलिया 2390, गुजरात लूज 1475-1500, कपास्या तेल इंदौर 810 रुपये। प्लांट सोयाबीन खरीदी भाव - प्रकाश 4625, एमएस साल्वेक्स 4625, नीमच प्रोटीन 4650, धीरेन्द्र सोया 4660, प्रतिष्ठा 4575, धानुका 4650, मित्तल 4600, जीवित भोजन 4600, सूर्या फूड्स 4630, आरएच सिवनी 4650, हरिओम रिफाइनरी अमृत मंदसौर 4650, लिविंग फूड्स शुजालपुर 4600, धानुका नीमच 4630, आरएच साल्वेक्स 4650 रुपये प्रति क्विंटल।

कपास्या खली - (60 किलो भरती) इंदौर 1725, देवास 1725, उज्जैन 1725, खंडवा 1700, बुरहानपुर 1700, अकोला 2711 रुपये।

## कॉलेज में पढ़ाई के साथ कमाई भी करेंगे छात्र, यूजीसी ने दिए समान मौके उपलब्ध कराने के दिशा-निर्देश



अब गरीब व पिछड़े वर्गों के छात्र कॉलेज में पढ़ाई के साथ-साथ कमाई भी करेंगे। इन छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही रोजगार या फिर अपना काम शुरू करने के लिए सशक्त बनाया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की विशेषज्ञ समिति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सामाजिक-आर्थिक वंचित वर्ग (एसईडीजी) के युवाओं को समान मौके देने के लिए दिशानिर्देश तय किए हैं। इसमें छात्रों को अर्न व्हाइल लर्न यानी

पढ़ाई के साथ कमाई योजना के तहत सशक्त बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रोफेसर मनीष जोशी ने बताया कि राज्यों और विश्वविद्यालयों को एसईडीजी के दिशानिर्देश भेजे गए हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में एसईडीजी प्रकोष्ठ खोले जाएंगे। कॉलेज सीईडीजी के तहत अपनी गाइडलाइन भी तैयार कर सकते हैं। यह प्रकोष्ठ इन वर्गों के छात्रों की दिक्कतों, अधिकारों और आगे बढ़ने में इनकी मदद करेगा। सभी शिक्षकों

को प्राकोष्ठ और उसके काम के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि छात्रों को दाखिला प्रक्रिया में मदद मिल सके। दाखिले के बाद उनकी भाषा विशेषकर अंग्रेजी और अन्य विषय से संबंधित दिक्कतों को ब्रिज कोर्स के माध्यम से दूर किया जाएगा। यह ब्रिज कोर्स स्थानीय भारतीय भाषा में करवाए जाएंगे, ताकि छात्र अच्छे से समझ सकें। इसके अलावा छात्र की क्षमता और पसंद के आधार पर रोजगार या अपना कामधंधा शुरू करने के लिए कोर्स भी करवाए जाएंगे।

इनमें ऑनलाइन कोर्स भी शामिल होंगे। लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार व गांवों पर फोकस योजना में इस लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, सीमा क्षेत्र, नॉर्थ-ईस्ट, ग्रामीण व दूरदराज के गांव व कस्बे, आदिवासी क्षेत्र, आकाशी जिले, भूकंप व बाढ़ ग्रस्त इलाके को मुख्य रूप से फोकस किया जाएगा। इन वर्गों के विद्यार्थियों को आगे लाने की तैयारी महिला, ट्रांसजेंडर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ईडब्ल्यूएस, नॉन क्रोमी लेयर ओबीसी, अल्पसंख्यक,

क्षेत्रीय भाषा माध्यम स्कूल, पहली पीढ़ी के शिक्षित वर्गों को सशक्त बनाने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा दिव्यांगजनों की श्रेणी में 40 फीसदी से अधिक वाले दिव्यांगजन और शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक दिव्यांगजन के अलावा बीपीएल, प्रवासी समुदाय, खानाबदोश जनजाति, बाल भिखारी, असुरिक्षित स्थितियों में रहने वाले छात्रों समेत मानव तस्करी में शामिल परिजनों के बच्चों, कोरोना में माता-पिता खोने वाले छात्रों को आगे लाने पर काम होगा।

## खेल/प्राणायाम/अरोग्य

# टेस्ट सीरीज़ में पहले दिन बड़ी गलतियां कर गई भारतीय टीम कहीं हाथ से ना निकल जाए मैच!



नई दिल्ली। टेस्ट सीरीज़ में 0-1 से पीछे चल रही टीम इंडिया के पास अब विशाखापट्टनम में वापसी का मौका है। दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन भले ही यशस्वी जायसवाल का तूफानी शतक सुर्खियों में रहा हो, लेकिन इस सबके बावजूद कई एक्सपर्ट्स मान रहे हैं कि भारतीय टीम इस मैच में बड़ी गलतियां कर गई हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने पर टीम इंडिया का स्कोर 336/6 हो गया है, भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल 179 रन बनाकर नाबाद हैं, उनके साथ रविचंद्रन अश्विन भी क्रीज़ पर हैं। विशाखापट्टनम की पिच जिस तरह से बल्लेबाजी के लिए पहले दिन कारगर साबित हुई है, एक्सपर्ट्स का मानना है कि टीम इंडिया यहां करीब 50 रन पीछे चल रही है। मैच खत्म होने के बाद इंग्लैंड के केविन पीटरसन ने इस बात का

जिक्र किया। पीटरसन बोले कि भले ही ऐसा लगे कि टीम इंडिया आगे चल रही है, लेकिन हकीकत इससे उलटी है। क्योंकि टीम इंडिया ने आखिरी सेशन में तीन विकेट गंवा दिए, साथ ही कई बल्लेबाज ऐसे रहे जिनको अच्छी शुरुआत तो मिली लेकिन उसका फायदा नहीं उठा सके। अगर यशस्वी जायसवाल को छोड़ दें तो भारतीय बैटिंग ऑर्डर में हर बल्लेबाज ऐसा मिलेगा, जो शुरुआत मिलने के बावजूद अपनी पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाया। यही वजह है कि दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया शायद कुछ रन पीछे रह गई, टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने भी कहा कि अब काफी कुछ दूसरे दिन के पहले सेशन पर निर्भर कर जाएगा। जहीर खान बोले कि अगर टीम इंडिया सुबह के सेशन में रन जोड़

लेती है, तब इंग्लैंड बैकफुट पर जा सकता है। लेकिन अगर इंग्लैंड इस सेशन में भी कमाल करता है, तब टीम इंडिया को दिक्कत हो जाएगी। क्योंकि अभी भी पिच बल्लेबाजी के लिए काबिल दिख रही है, ऐसे में भारतीय टीम का स्कोर कम से कम 450 तक जाना ही चाहिए, भारत ने गंवा दिया बड़ा मौका? विशाखापट्टनम की पिच जिस हिसाब से बैटिंग के लिए माकूल थी, ऐसे में बल्लेबाजों को ये तो लग रहा होगा कि उन्हीं एक बड़ा मौका गंवाया है। क्योंकि जब इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी के लिए आएगी, तब वो बैजबॉल के हिसाब से ही तेज़ी से रन बटोरेंगी। टीम इंडिया की कोशिश अब यही होगी कि वो इंग्लैंड को कम स्कोर पर समेट सके। पिच के हिसाब से देखें तो टीम इंडिया का स्कोर काफी ज्यादा हो सकता था।

## पहले दिन भारत ने 6 विकेट पर बनाए 336 रन, यशस्वी का नाबाद शतक

विशाखापट्टनम। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बेहतरीन शतक की बदौलत भारत ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट पर 336 रन बना लिये हैं। यशस्वी 177 और रविचंद्रन अश्विन 5 रन बनाकर नाबाद हैं। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय टीम को रोहित और यशस्वी ने सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। रोहित का खराब फार्म इस मैच में भी रहा और वे केवल 14 रन बनाकर अपना पहला टेस्ट खेल रहे शोएब बशीर का शिकार बने। शोएब ने रोहित को लेग स्लिप में ओली पोप के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद यशस्वी और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया। दूसरे विकेट के लिए 49 रनों की साझेदारी की। हालांकि जब लग रहा था कि गिल ने लय हासिल कर ली है, तभी जेम्स एंडरसन ने उन्हें विकेटकीपर फोक्स के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। गिल ने 46 गेंदों पर 5 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए। यहां से यशस्वी ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े। जब लग रहा था कि ये जोड़ी बड़ी साझेदारी करेगी, तभी अय्यर 179 के कुल स्कोर पर 27 रन बनाकर टॉम हार्टले का शिकार बने। अय्यर के बाद बल्लेबाजी करने उतरे अपना पदार्पण टेस्ट खेल रहे रजत पाटीदार ने यशस्वी का अच्छा साथ दिया और चौथे विकेट के लिए 70 रन जोड़े। 249 के कुल स्कोर पर पाटीदार 32 रन बनाकर रेहान अहमद की गेंद पर बोल्ल्ड हुए। इसके बाद यशस्वी और अक्षर पटेल ने पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान यशस्वी ने अपने डेढ़ सौ रन पूरे किए। 301 के कुल स्कोर पर शोएब बशीर ने अक्षर पटेल को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया। अक्षर ने 27 रन बनाए। इसके बाद 330 के कुल स्कोर पर केएस भरत 17 रन बनाकर रेहान अहमद का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 6 विकेट पर 336 रन बना लिये हैं। यशस्वी 177 और रविचंद्रन अश्विन 5 रन बनाकर नाबाद हैं। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर और रेहान अहमद ने दो-दो, टॉम हार्टले और जेम्स एंडरसन ने 1-1 विकेट लिया। उल्लेखनीय है कि इस मैच में भारत की तरफ से रजत पाटीदार ने पदार्पण किया जबकि मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया। सिराज की जगह मुकेश कुमार को और रवींद्र जडेजा की जगह कुलदीप यादव को मौका दिया गया। जडेजा और केपल राहुल चोट के कारण इस मैच का हिस्सा नहीं हैं। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने पदार्पण किया और मार्क वुड की जगह अनुभवी जेम्स एंडरसन को मौका मिला।



# वैलेंटाइन डे के दिन अपने पार्टनर को घर पर बनाकर खिलाएं ये खास पिज्जा

जैसे-जैसे वैलेंटाइन डे पास आता है, वैसे-वैसे लोग अपने पार्टनर के साथ समय व्यतीत करने की प्लानिंग करने लगते हैं। लोग इस दिन अपने पार्टनर के साथ घूमने जाते हैं। अपने पार्टनर को लंच और डिनर कराते हैं। उन्हें फिल्म दिखाने ले जाते हैं। इसके साथ बहुत से लोग तो अपने पार्टनर को तोहफा देकर उन्हें उनके खास होने का एहसास कराते हैं। बहुत से कपल ऐसे होते हैं, जिनके पास बाहर जाने का समय नहीं होता। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, तो हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप अपने पार्टनर के लिए तैयार कर सकते हैं। इस व्यंजन को बनाना बेहद आसान हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं पिज्जा की। आप अपने पार्टनर



को स्पेशल फील कराने के लिए उन्हें अपने हाथ से पिज्जा बनाकर खिला सकते हैं। पिज्जा बनाना बेहद आसान भी है और ये हर

किसी को पसंद भी आता है। पिज्जा बनाते वक्त ये ना भूलें कि ये पिज्जा आप वैलेंटाइन डे के अवसर पर अपने पार्टनर के लिए

तैयार कर रहे हैं। ऐसे में इसको गोल बनाने की बजाए दिल के आकार का बनाएं। इसे देखकर ही आपका पार्टनर खुश हो जाएगा।







